दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 127 | ग्वालियर शुक्रवार, 24 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

सिंगापुर के बाद दूसरे देशों के साथ क्रॉस बॉर्डर डिजिटल लेन-देन पर हो भारत का ज़ोर, अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई ताकत

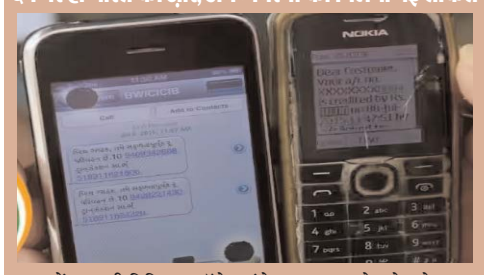

भारत में जल्द ही डिजिटल-वॉलेट ट्रांजेक्शन, नकद लेन-देन से ज्यादा हो जाएंगे. आज भारत में सबसे पसंदीदा पेमेंट मैकेनिज्म बन गया है. कारोबारी और उपभोक्ता दोनों ही इसे ज्यादा से ज्यादा वह अपना रहे हैं. खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये जानकारी दी है.भारत और सिंगापुर के बीच यूपीआई-पेनाउ लिंकेज के संयुक्त वर्चुअल लॉन्च के मौके पर 21 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यूपीआई देश में भुगतान करने का सबसे अधिक अपनाया जाने वाला माध्यम बन जाएगा.पिछले वर्ष यानि 2022 में, क्क्ष से करीब 126 लाख करोड़ रुपये यानि लगभग 2 ट्रिलियन सिंगापुर डॉलर से अधिक मूल्य के लेन-देन हुए हैं. यूपीआई के जरिए लेन-देन की संख्या की बात की जाए, तो ये आंकड़ा 7400 करोड़ से भी ज्यादा है. इन आंकड़ों से जाहिर है कि स्वेदशी रूप से विकसित भारत का यूपीआई सिस्टम बड़ी संख्या में लेन-देन को मुमकिन बनाने में पूरी तरह से सक्षम और सुरक्षित है.जब भारत और सिंगापुर के बीच यूपीआई-पेनॉउ लिंकेज की शुरुआत हो रही थी, तब उस वर्चुअल कार्यक्रम में सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग के साथ ही आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक रवि मेनन भी मौजूद थे. क्रॉस बॉर्डर लेन-देन को आसान बनाने के लिहाज से दोनों देशों के बीच यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है. भारत ने 2016 में यूनाइटेड पेमेंट इंटरफेस सुविधा की शुरुआत की थी. इसके बाद डिजिटल पेमेंट की जो तस्वीर है भारत में उससे क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है. बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों में भी यूपीआई के जरिए तेजी से लेन-देन हो रहे हैं. वैल्यू और वॉल्यूम दोनों ही के टर्म में इजाफा हो रहा है.अब यूपीआई डिजिटल पेमेंट्स के लिए बहुत ही स्वीकार्य माध्यम हो गया है और कोई भी व्यक्ति अपने बैंक अकाउंट को यूपीआई से लिंक करके डिजिटल पेमेंट कर सकता है. अब उसी चीज का दायरा बढ़ाते हुए क्रॉस बॉर्डर ट्रांजेक्शन्स में भी यूपीआई के इस्तेमाल के लिए सिंगापुर के साथ ये एक प्रयोग के तौर पर है. सिंगापुर में भी एक रियल टाइम पेमेंट इंटरफेस पेनॉउ है. उनके साथ यूपीआई को जोड़ा गया है, ताकि यहां से जो हमारे बैंक अकाउंट से लिंक्ड है और वहां से अगर हम ट्रांसफर कर रहे हैं और जिनके पास पेय नाऊ से बैंक अकाउंट लिंक्ड है, उनको तुरंत राशि ट्रांसफर हो जाएगी. ये बहुत ही रेमिटेंस के लिहाज से ये बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है. जो भारतीय सिंगापुर में काम कर रहे हैं और वे अगर कुछ पैसा यहां भेजना चाहते हैं तो उनके लिए ये अब बहुत आसान हो गया. इससे अब वे रियल टाइम में पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे. इससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को भी मदद मिलेगी.राधिका पांडेय का कहना है कि भारत को उस तरह का का पहल और देशों के साथ भी साथ करना चाहिए. खासकर के संयुक्त अरब अमीरात और अफ्रीकी देशों के साथ जहां बड़ी संख्या में हमारे देश के लोग काम करते हैं. जहां से भारत को ज्यादा से ज्यादा रेमिटेंस हासिल होते हैं. अगर आप देखें तो भारत सरकार के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोनॉमिक ग्रोथ के नजरिए बहुत महत्वपूर्ण एजेंडा रहा है. अभी इस दिशा में जो भी कदम उठाए जा रहे हैं, वो डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए उठाया जा रहा है. देश के अंदर ही देखें तो किसानों को भुगतान डिजिटल माध्यम से ही किया जा रहा है. इसके कई फायदे हैं जैसे कि इससे हमारी अर्थव्यवस्था की क्षमता बढ़ती है. बिचौलियों के पास जिस तरीके से एक बड़ी राशि चली जाती थी, उस पर काफी हद तक अंकुश लग गया है. इससे बड़ी मात्रा में राशि की बचट भी हो रही है. फॉर्मल या औपचारिक अर्थव्यवस्था में तेजी से लेन-देन का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है. जब भी हम पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं तो इससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक या संगठनात्मक बनाने में मदद मिलती है. इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण पर नज़र डाले तो उसमें सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा है कि अगर हम जीडीपी में 6 प्रतिशत वद्धि का अनुमान लेकर चलते हैं, तो डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की वजह से अगले साल उसमें 20-30 बेसिस प्वाइंट का इजाफा हो जाएगा. हम अगर कल्याणकारी योजनाओं में डिजिटल लेन-देन के जरिए भुगतान करते हैं और क्रॉस बॉर्डर ट्रांजेक्शन्स में भी इसे अपनाते हैं, तो जीडीपी वृद्धि दर 6 से बढ़कर 6.5त्न तक हो सकता है.लोगों के लेने-देन की आदतों में बदलाव होने में थोड़ा समय लगता है. पुराने जमाने के जो लोग हैं वो अभी भी कैश को ज्यादा सुरक्षित मानते हैं. अगर हम 2016 से अभी तक का डाटा देखें यूपीआई के प्रति लोगों की स्वीकार्यता और उपयोगिता बढ़ती जा रही है. हम देख पा रहे हैं कि अब तो छोटे-छोटे लेन-देन भी यूपीआई के माध्यम से हो पा रहा है. धीरे-धीरे इसमें तेजी आ रही है. फिर भी कुछ फ्रॉड के केस हुए हैं जो तकनीकी खामियों और लोगों की नासमझी के कारण भी हुआ है. इस लिहाज से डिजिटल लेन-देन को और सुरक्षित बनाने पर काम किए जाने की जरूरत है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यूपीआई और सिंगापुर के पेय नाऊ के बीच क्रॉस बॉर्डर कनेक्टिविटी को लॉन्च किया. इससे पूर्व इस सुविधा को आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास और मोनेटरी अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर के कार्यकारी निदेशक रवि मेनन ने यूपीआई-पेनॉउ के बीच टोकन ट्रांजेक्शन के जरिये इसकी शुरुआत की थी. इस मौके पर सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग ने कहा था कि कि पेनॉउ और यूपीआई को जोड़ने का आइडिया पीएम मोदी ने साल 2018 में अपने सिंगापुर के दौरे के दौरान दी थी. उसके बाद से ही दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों ने इसे वास्तविक रूप देने पर काम करना शुरू कर दिया था. सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने कहा था कि पिछले साल सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित भारत सिंगापुर के मिनिस्ट्रियल राउंड टेबल के उद्घाटन सत्र में भी डिजिटल कनेक्टिविटी एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय रहा था. उन्होंने यूपीआई-पेनॉउ लिंकेज के वास्तविकता का रूप धारण करने पर खुशी भी जाहिर की. बता दें कि भारत और सिंगापुर के बीच सालाना क्रॉस बॉर्डर रिटेल भुगतान और रेमिटेंसेस 1 बिलियन डॉलर से अधिक का है.

कांग्रेस नेता पवन खेडा को सुप्रीम कोर्ट से बडी राहत, पीएम पर आपत्तिजनक बयान मामले में मिली अंतरिम जमानत

प्रधानमंत्री और उनके पिता पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता पवन खेडा को सुप्रीम कोर्ट से बडी राहत मिली. असम पुलिस की तरफ से दिल्ली में गिरफ्तार किए गए खेड़ा को असम जाने से पहले ही अंतरिम जमानत मिल गई. सोमवार (27 फरवरी) को सुप्रीम कोर्ट असम और उत्तर प्रदेश में दर्ज मुकदमों को एक साथ जोडने और किसी एक जगह ट्रांसफर करने पर विचार करेगा।दिल्ली से रायपुर जाने के लिए विमान में बैठे खेडा को उतार कर असम पुलिस ने हिरासत में लियाय इससे पहले की पुलिस उन्हें असम ले जाने के लिए दिल्ली की निचली अदालत से ट्रांजिट रिमांड ले पाती, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया. वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दोपहर 2 बजे मामला चीफ जस्टिस के सामने रखा और दखल का अनुरोध किया. उस समय चीफ जस्टिस 5 जजों की संविधान पीठ में बैठे थे, इसलिए सुनवाई संभव नहीं थीय उन्होंने सिंघवी को आश्वासन दिया कि 3 बजे वह यह मामला सुनेंगे. दोपहर 3 बजे चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड, जस्टिस एम आर शाह और पी एस नरसिम्हा की बेंच इस केस को सुनने के लिए विशेष रूप से बैठी. सुनवाई की शुरुआत में ही सिंघवी ने कहा कि वह खेडा के बयान का समर्थन नहीं कर रहे. वह खुद कभी ऐसा बयान नहीं देते, लेकिन इसके लिए 3 जगहों पर एफआईआर दर्ज होना और खेडा

को गिरफ्तार कर लिया जाना भी गलत है. वरिष्ठ वकील ने यह भी बताया कि उन्हें अब तक 3 एफआईआर की जानकारी हैय यह एफआईआर उत्तर प्रदेश के लखनऊ और वाराणसी के अलावा असम के दीमा हसाओ में दर्ज हुई हैं. इन सबको एक जगह ट्रांसफर किया जाए.ाड

सिंघवी ने यह भी कहा कि बयान गलती से दिया गया था. उसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में खेडा ने अपनी गलती सुधार ली थी. उन्होंने बाद में इसके लिए खेद भी जताया था. इस पर असम सरकार के लिए पेश एडिशनल सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वह कोर्ट में खेडा के बयान का वीडियो चला रही है. बयान जानबूझकर प्रधानमंत्री का अपमान करने और लोगों को चिडाने की मंशा से दिया गया. भाटी ने यह भी कहा कि गिरफ्तारी हो चुकी है. ट्रांजिट रिमांड के लिए आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने ले जाया जा रहा है. अब सुप्रीम कोर्ट को दखल नहीं देना चाहिए. इस पर सिंघवी ने कहा कि खेडा जांच में सहयोग करेंगे, उन्हें गिरफ्तारी से राहत दी जाए.सुनवाई के अंत में चीफ जस्टिस ने कहा कि वह सिंघवी के इस अनुरोध से सहमत हैं कि सभी मामलों को एक जगह ट्रांसफर किया जाए. असम और यूपी सरकार को इस पर नोटिस जारी किया जा रहा है. सोमवार (27 फरवरी) को मामले पर आगे सुनवाई होगी. सुप्रीम कोर्ट ने खेडा को बडी राहत देते हुए यह भी कहा कि जिस मजिस्ट्रेट के सामने उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है, वह उन्हें अंतरिम जमानत दे दें. बाद में जिस जगह सभी मामले ट्रांसफर किए जाएंगे, वहां की कोर्ट से वह नियमित डमानत ले सकते हैं.

तुर्किए-सीरिया के बाद अब तजाकिस्तान की मदद करेगा भारत, पीएम मोदी ने लिया भूकंप की स्थिति का जायजा

तुर्किए-सीरिया के बाद अब भारत तजाकिस्तान की भूकंप के हालातों से निपटने में मदद करेगा. गुरुवार (23 फरवरी) को तजाकिस्तान में आए भूकंप के बाद भारत स्थिति पर नजर रख रहा है. भारत आपदा की घड़ी में तजाकिस्तान की सहायता करेगा.सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तजाकिस्तान में आए भूकंप से उपजे हालात का जायजा लिया है और उसके प्रभाव से संबंधित घटनाक्रमों की निगरानी कर रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, भारतीय अधिकारी तजाकिस्तान के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं और भारत सरकार के संबंधित निकाय जरूरी मदद के लिए निकटता से समन्वय कर रहे हैं.

पश्चिम बंगाल में हावड़ा-अमता लोकल ट्रेन के 3 डिब्बे पटरी से उतरे, मौके पर अधिकारी

पश्चिम बंगाल में हावड़ा-अमता लोकल ट्रेन के 3 डिब्बे गुरुवार (23 फरवरी) को माजू रेलवे हॉल्ट के पास पटरी से उतर गए. संतरागाछी से दुर्घटना राहत ट्रेन के साथ दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे. किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी. गुरुवार को ही बिहार के रोहतास में भी मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे हैं. डेहरी पहलेजा और करबंदिया रेलवे स्टेशनों के बीच समर्पित फ्रेट कॉरिडोर की एक सब-लाइन के पास गुरुवार सुबह एक मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतर गए थे. एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सीता विगहा गांव के पास बुधवार की रात 9.55 बजे हुयी

मौसम बिगाड़ेगा हाल! ईडी ने बता दिया अगले पांच दिनों में कितना बढ़ जाएगा तापमान

देश के कई हिस्सों में पहले से ही अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है जो आमतौर पर मार्च के पहले सप्ताह में दर्ज किया जाता है. इसने इस साल तीव्र गर्मी और लू को लेकर चिंताओं को बढ़ा दिया है. आईएमडी ने एक बयान में कहा, ''अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है. 'आईएमडी ने कहा कि अगले दो दिनों के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत में अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय बदलाव की संभावना नहीं है. हालांकि, इसके बाद पारा दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है. आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि मार्च के पहले 15 दिनों में उत्तर पश्चिमी भारत के एक या दो मौसम संबंधी उपखंडों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक तक बढ़ सकता है.आईएमडी ने फरवरी में असामान्य रूप से गर्म मौसम के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया है, जिसमें मजबूत पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बन्स) की अनुपस्थिति प्रमुख कारण है. उल्लेखनीय है कि मजबूत पश्चिमी विक्षोभ बारिश लाते हैं और तापमान को कम रखने में मदद करते हैं. सोमवार (20 फरवरी) को उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिम भारत के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया. दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के साथ यहां सोमवार को 1969 के बाद फरवरी का तीसरा सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया.

11 दिन बीते, लेकिन राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष नहीं चुन पाई बीजेपी; रणनीति या वसुंधरा ने बढ़ाई टेंशन?

गुलाब चंद कटारिया के राज्यपाल बनने के 11 दिन बाद भी बीजेपी राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नहीं कर पाई है. चुनावी साल में नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर फैसला नहीं हो पाना सियासी चर्चा का विषय बन गया है. विधानसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के विधायक दल के नेता को नेता प्रतिपक्ष कहते हैं. वर्तमान में राजस्थान में बीजेपी विपक्ष में है और उसके पास 70 विधायक हैं.राजस्थान विधानसभा के इतिहास में यह नौंवी बार है, जब बीच में ही नेता प्रतिपक्ष का पद रिक्त हो गया है. पहली, पांचवी, छठी, आठवीं, दसवीं, ग्यारहवीं, बारहवीं और

तेरहवीं विधानसभा के दौरान बीच में ही नेता प्रतिपक्ष बदला जा चुका है. सबसे अधिक छठी विधानसभा में परसराम मदेरणा, रामनारायण चौधरी और महरावल लक्ष्मण सिंह नेता प्रतिपक्ष बने थे. नेता प्रतिपक्ष बड़े मुद्दे पर सदन के भीतर सरकार को घेरने की रणनीति बनाते हैं. इसी रणनीति के तहत सभी विधायक सरकार पर हमला बोलते हैं. राजस्थान विधानसभा में हरिदेव जोशी, भैरो सिंह शेखावत और वसुंधरा राजे नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल चुके हैं. वहीं परसराम मदेरणा और महरावल लक्ष्मण सिंह नेता प्रतिपक्ष के बाद विधानसभा स्पीकर की कुर्सी तक पहुंचे. हाल तक नेता प्रतिपक्ष रहे गुलाब चंद कटारिया असम के राज्यपाल बनाए गए हैं. राजस्थान की सियासत में पिछले 25 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद इसलिए और महत्वपूर्ण हो गया है,

फ्लाइट से गिरफ्तारी के 3 घंटे के भीतर पवन खेड़ा को मिली बेल, स्ष्ट के आदेश के बाद निचली अदालत का फैसला

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर द्वारका कोर्ट से जमानत मिल गई है. उन्हें गुरुवार (23 फरवरी) को दिल्ली एयरपोर्ट से असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया था. कोर्ट ने खेड़ा के खिलाफ कई प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने के लिए असम और उत्तर प्रदेश सरकारों से जवाब मांगा है.सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार (27 फरवरी) को होगी. उच्चतम न्यायालय में असम पुलिस ने कहा था कि पवन खेड़ा ने लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री के खिलाफ %अपमानजनक टिप्पणी% का इस्तेमाल किया. असम पुलिस ने कहा कि वह पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में गिरफ्तारी से सुरक्षा के लिए दायर रिट याचिका पर जवाब दाखिल करना चाहेगी. पवन खेड़ा के वकील ने उच्चतम न्यायालय से कहा था कि उनके मुवक्किल ने प्रधानमंत्री पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है और उन पर लगाए गए आरोपों में गिरफ्तारी की आवश्यकता नहीं है. पवन खेड़ा ने सुप्रीम कोर्ट से अपने खिलाफ दर्ज

राजनाथ सिंह के दौरे से पहले विश्वभारती यूनिवर्सिटी में बीबीसी डॉक्यूमेंट्री दिखाने का एलान, बीजेपी ने कहा- इंसल्ट

राजनाथ सिंह के दौरे से पहले विश्वभारती यूनिवर्सिटी में बीबीसी डॉक्यूमेंट्री दिखाने का एलान, बीजेपी ने कहापश्चिम बंगाल स्थित विश्व भारती विश्वविद्यालय में छात्रों के एक वर्ग ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दौरे के पहले बीबीसी की विवादित डॉक्यूमेंट्री इंडिया- द मोदी क्वेश्चन दिखाने का एलान किया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार (24 फरवरी) को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने वाले हैं.छात्रों के एक गुट ने घोषणा की है कि राजनाथ सिंह के दौरे से पहले गुरुवार शाम को बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार गुरुवार (23 फरवरी) शाम को बोलपुर-शांति निकेतन में पहुंचेगे. यहां दोनों शुक्रवार (24 फरवरी) सुबह दीक्षांत समारोह समेत विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे.बोलपुर पुलिस ने डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के लिए कोई अनुमति नहीं दी है, लेकिन छात्र संगठन डीएसए ने स्क्रीनिंग के लिए अभी से अभियान शुरू कर दिया है. पुलिस ने डीएसए के सदस्यों को डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग नहीं करने की चेतावनी दी है.छात्र संगठन के

मुताबिक गुरुवार शाम 6 बजे विश्वभारती परिसर के अंदर रतनपल्ली निमतला घाट में बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री दिखाने का फैसला किया. इस जगह से कुछ ही दूरी पर स्थित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होना है, जिसमें राजनाथ सिंह टैगोर की संगीतमय प्रस्तुति भानु सिंघेर पदावली देखने वाले हैं.डीएसए ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ मौन विरोध है. उन्होंने राजनाथ सिंह के विश्वभारती पहुंचने की खबर के बाद इसका फैसला किया गया.बीजेपी ने डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन के प्रस्तावित कार्यक्रम की आलोचना की है और इसे केंद्रीय रक्षा मंत्री का अपमान बताया है. बीजेपी के बीरभूम जिले के अध्यक्ष ध्रुबा साहा ने कहा कि माओवादी संगठन से जुड़े एक छात्र संगठन के एक सदस्य ने रक्षा मंत्री की यात्रा के समय जानबूझकर इस स्क्रीनिंग की योजना बनाई थी ताकि उनका अपमान किया जा सके.साहा ने दावा किया, इन नकली वामपंथियों ने नई दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भीतर डॉक्यूमेंट्री को लेकर इसी तरह का हंगामा करने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि भारत के लोग इन पर भरोसा नहीं करते हैं और वे लोगों से पूरी तरह से अलग-थलग हैं.

गोहद में पूर्व ब्रांच मैनेजर के सूने मकान मे घुसकर चोरों ने दरवाजों की कुंदी काटकर की चोरी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। नगर के वार्ड क्रमांक 8 में रेनी की टंकी के पास स्थित पूर्व ब्रांच मैनेजर वीरेंद्र लहरिया व पूर्व पार्षद मुकेश लहरिया के सूने घर में बुधवार की रात को अज्ञात चोरों ने मकान के मेन गेट की कुंदी काटकर अंदर बने कमरों के दरवाजों की कुंदे काटकर चोरी का प्रयास किया गया लेकिन घर में कमरों में सामान न होने से चोरी में असफल रहे हालांकि कमरे में लगी एलसीडी एवं चांदी के गुच्छे चुरा ले गएगोहद पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुकेश लहरिया के भाई की बेटे की 22 फरवरी की शादी होने के कारण परिवार के सभी लोग शादी में सम्मिलित होने के लिए ग्वालियर गए थे मकान सूना होने के कारण चोरों ने मकान के मैन गेट की कुंदी को काटकर अंदर प्रवेश कर अंदर बने कमरों की कुंदी कटर द्वारा काटकर चोरों द्वारा जगह जगह सामान खोजने का प्रयास किया लेकिन मकान के अंदर रखा सामान तीसरी मंजिल पर था चोर एक एलसीडी एवं कुछ चांदी के पुराने गुच्छे लेकर भाग निकले जब सुबह लोगों ने गली का दरवाजा खुला देखा तो मुख्य दरवाजे पर पहुंचे जहां कुंदी कटी हुई थी और ताला लगा था वहीं दूसरी तरफ लहरिया परिवार को मकान में चोरी होने की सूचना मिली वैसे ही पूरा परिवार ग्वालियर से गोहद पहुंचकर चोरी के संबंध में पुलिस को अवगत कराया पुलिस द्वारा फिंगर एक्सपर्ट एवं स्क्वायड डॉग को बुलाया

वर्जन - नगर के वार्ड क्रमांक 8 में लहरिया परिवार के मकान में चोरों ने चोरी का प्रयास किया है कोई भी सामान नहीं ले जा सके पुलिस जांच कर चोरों की तलाश कर रही है

ध्यानेंद्र सिंह यादव उपनिरीक्षक गोहद

परम पूज्य मानस श्री रामस्वरूपचार्य के मुखारविंद से कथा का रसपान

श्री राम कथा के अंतिम दिवस में भगवान राम के रामचरितमानस में राज तिलक के साथ कथा का समापन

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । श्री मंशापूर्ण हनुमान जी की प्रेरणा एवं असीम कृपा से अखिल ब्रह्मांड नायक मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की परम पावन जगत नगरी भिंडी ऋषि की पावन तपोभूमि में श्री राम कथा का भव्य आयोजन राम विवाह की कथा को जनमानस परम पूजनीय श्री श्री 1008 रामस्वरूपचार्य के मुखारविंद से की कथा का वर्णन किया गया।अंतिम दिवस में भगवान राम का राजतिलक एवं रामचरितमानस संपूर्ण कथा के साथ चल रही श्री राम कथा का समापन किया गया और सभी भक्त जनों ने आरती में शामिल होकर महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।श्री राम कथा के अंतिम दिवस में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की संपूर्ण कथा में राजतिलक का प्रशन सुनाते हुए कामदगिरि चित्रकूट धाम से पधारे रामस्वरूपचार्य महाराज कहा किकथावाचक बाल शक्ति पूर्वी व्यास द्वारा श्रीराम के राजतिलक के साथ संपन्न हुई। कथा के अंतिम दिन हवन यज्ञ व भंडारा लगाया गया। हवन यज्ञ में समस्त श्रद्धालुओं व सदस्यों ने संयुक्त रूप से वैदिक मंत्रोच्चारण से आहुति डालकर परिवार की सुख शांति के मन्नतें मांगी। उन्होंनेकहा कि गाय भगवान को प्रिय है। जो व्यक्ति इनसे प्रेम करता है उस पर भगवान प्रसन्न होते हैं। गायों की सेवा सबसे ब?ा पुण्य का कार्य है। संगीतमयी राम कथा के अंतिम दिन केवट प्रसंग, राम भरत मिलाप, भगवान राम के द्वारा भक्तों का उद्धार, लंका का दहन, रावण का अंत, राम के राजतिलक के प्रसंग पर कथा सुनाई। कथा के समापन पर राम राज्याभिषेक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्रोता भजनों की धुन पर झूम उठे। उन्होंने कहा कि प्रभु को प्रकट करने के लिए समय स्थान स्थिति नहीं बल्कि समर्पण होना चाहिए। अंत में राम द्वारा

लंका पर विजय की कथा भगवान श्री राम की अयोध्या वापसी का प्रसंग सुनाया। इस दौरान श्रोताओं ने श्री राम के नाम के जयकारे लगाये। श्री राम कथा में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, अटेर विधायक प्रतिनिधि विकास शर्मा महाराज श्री को सालों श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।परीक्षक बृजभूषण सिंह तोमर मनसापूर्ण हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर सिंह जादौन ओम प्रकाश पुरोहित, बिहारी बाल मंदिर, नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष व सत्य विजय रामलीला मंडल के अध्यक्ष रामनरेश शर्मा, वरिष्ठ अभिभाषक राममिलन शर्मा एडवोकेट प्रदीप मिश्रा

, श्रीमती कल्पना मिश्रा, पत्रकार गणेश भारद्वाज, कमल किशोर शर्मा अरुण कुमार गुप्ता ने सपरिवार आरती में शामिल हुए।

श्री मंशापूर्ण हनुमान जी की कृपा से से कथा समापन पर विशाल भंडारा आज-श्री मंशापूर्ण हनुमान जी मंदिर की अनुकंपा से चल रही श्रीराम कथा में , 24 फरवरी राज तिलक की कथा का बहुत ही सुंदर वर्णन जनमानस परम पूजनीय श्री श्री 1008 महाराज श्री रामस्वरूपचार्य द्वारा राजतिलक के साथ कथा का समापन किया गया और विशाल भंडारा होगा के आयोजन श्री कथा स्थल पीडब्ल्यूडी कॉलोनी पेट्रोल पंप के सामने रखा गया है सभी भक्तों गणों से साधु-संतों से निवेदन है कि अवश्य प्रसादी ग्रहण करने कथा स्थल पर पहुंचे।

आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य सुविधाओं का एटीएम है:सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रदेशव्यापी विकास यात्रा निरंतर जारी है। विकास यात्रा के क्रम में आज सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया के नेतृत्व में विकास खण्ड अटेर के ग्राम टीकरी से विकास यात्रा प्रारंभ होकर जारी, लखनपुरा एवं बीसलपुरा में विकास यात्रा का समापन हुआ। जिसमें सहकारिता मंत्री के द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं एवं उनके लाभ के संबंध में जानकारी ग्रामीणजनों को दी गई।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन कर किया गया। विकास यात्रा कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री के द्वारा जनसेवा अभियान अंतर्गत शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत जेके जैन, एसडीएम भिण्ड-अटेर उदय सिंह सिकरवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया द्वारा विकास खण्ड अटेर के ग्राम टीकरी, जारी, लखनपुरा एवं बीसलपुरा में विकास रथ यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में 27.47 लाख से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया गया। जिसमें विकास खण्ड अटेर के ग्राम टीकरी में 17.36 लाख से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। जिसमें 13.74 लाख की लागत से सामुदायिक भवन, 3.62 लाख की लागत से शान्ति धाम निर्माण का शिलान्यास किया।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने विकास खण्ड अटेर के ग्राम जारी में 6.68 लाख से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। जिसमें 3.79 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य, 2.89 लाख की लागत से खेल मैदान निर्माण का शिलान्यास किया। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने विकास खण्ड अटेर के ग्राम लखनपुरा में 3.43 लाख की लागत से सामुदायिक स्वच्छता परिसर का शिलान्यास किया।सहकारिता एवं लोकसेवा

प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने विकास यात्रा कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणजनों और मातृशक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास यात्रा का उद्देश्य यही है कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्रताधारी हितग्राही हितलाभ से वंचित ना रहे। विकास यात्रा के माध्यम से व्यक्तियों का चिन्हांकन किया जा रहा है कि पूर्व में उन्हें किसी योजना का लाभ मिला है कि नहीं और उनकी पात्रता किन-किन योजनाओं के लाभ लेने पर सटीक बैठ रही है ताकि शेष योजनाओं का लाभ उन्हें अविलम्ब मिल सके।

उन्होंने शासन के प्रदेशव्यापी इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि कोई भी पात्रताधारी योजनाओं के हितलाभ से वंचित ना रहे। यदि किन्हीं कारणों से कोई व्यक्ति छूट जाता है उस तक हितलाभ पहुंचाने का दायित्व हम सबका है इसके लिए हम सब विकास यात्रा के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें उल्लेखित योजनाओं के तहत् लाभ दिलाने का सफल प्रयास कर रहे हैं।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में विकास की गंगा बहा दी है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2024 तक कोई भी गरीब झोपडी में नहीं रहेगा, हर गरीब अपने पक्के घर में रहेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् वर्ष 2024 तक हर गरीब का पक्का घर होगा और जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत हर घर टोंटी वाले नल से पानी पहुंचेगा।सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा कि महिलाओं की सुविधा हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विभिन्न प्रकार की योजनाएं प्रारंभ की हैं। यह अपने आप में एक अनोखा उदाहरण है। उन्होंने योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि उज्जवला योजना, लाडली लक्ष्मी योजना और अब लाडली बहना योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री जी की मंशानुसार लाडली बहना योजना अंतर्गत 08 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से आवेदन फॉर्म भराए जाएंगे और शीघ्र ही पात्र महिलाओं के खातों में प्रतिमाह एक-एक हजार रुपये की राशि मुख्यमंत्री जी द्वारा पहुंचाई जाएगी। लाडली बहना योजना के तहत् गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार की सभी बहनों के बैंक खातों में 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष डाले जाएंगे। माताओं, बहनों को चिन्हित करने के लिए गांव-गांव और सभी वार्डों में जाकर आवेदन भरवाए जायेंगे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य सुविधाओं का एटीएम है जो कार्ड दिखाकर अब कहीं भी पांच लाख तक के इलाज कार्ड धारक करा सकते हैं।

भिण्ड जिला विकास की ओर अग्रसर एवं युवाओं को मिल रहा स्वरोजगार: जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह

जिला स्तरीय रोजगार मेले में 82 करोड़ के ऋण वितरित

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला स्तरीय रोजगार मेले में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया,विशिष्ट अतिथि सुनील बाल्मीकि, विधायक प्रतिनिधि एवं अपर कलेक्टर जे.पी. सैय्याम के मुख्य आतिथ्य में शुभारम्भ हुआ। सर्वप्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया द्वारा कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया।जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया द्वारा रोजगार मेले में पधारे हितग्राहियों को संबोधित करते हुये कहा कि प्रदेश में आज के दिन रोजगार मेला एवं विकास यात्राओं का संयुक्त रूप से संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में जिला ही नहीं अपितु पूरा प्रदेश विकास के पथ पर दौड रहा है। इसी क्रम में भिण्ड जिले में अभी तक कई रोजगार मेलों का आयोजन किया गया जिसमें जिले की बैंकों द्वारा विभिन्न हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराये गये हैं।इसी क्रम में इस माह में 82 करोड रूपये के ऋण विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं हेतु स्वीकृत/ वितरित किये गये हैं। जिसमें 2215 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। जिनका वितरण आज के रोजगार मेले में चौक/स्वीकृत पत्र के माध्यम से किया जा रहा है। जिले के महिला एवं पुरूष अपने-अपने कुटीर उद्योग स्थापित कर रहे हैं। जिससे अन्य लोगों को भी अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध हो रहा है। इसी क्रम में विधायक प्रतिनिधि सुनील बाल्मीकि द्वारा सभी विभागों की प्रशंसा करते हुये कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में विभिन्न विभागों का महत्वपूर्ण योगदान है जिसके लिये सभी विभागों के कार्यालय प्रमुख एवं स्टाफ बधाई के पात्र हैं साथ ही हितग्राहियों को संबोधित करते हुये कहा कि आप अपने कार्य को ईमानदारी एवं लगन के साथ करें प्रदेश सरकार आपके सहयोग के लिये हमेशा तैयार है।अपर कलेक्टर जे.पी. सैय्याम द्वारा हितग्राहियों को संबोधित करते हुये

कहा कि जिले के उपलब्ध खनिज सम्पदा के आधार पर भी अपने कुटीर उद्योग स्थापित कर सकते हैं। एल.डी.एम. प्रताप सिंह द्वारा विभिन्न विभागों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा जिला प्रशासन को भी धन्यवाद देते हुये कहा कि बैंकों को जिला प्रशासन जो सहयोग प्रदान हो रहा है जिसके कारण ही जिले की सभी बैंक शाखायें लक्ष्य पूरा कर पा रही हैं।महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भिण्ड के श्री बी.एल.मरकाम द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न रोजगार मूलक योजनाओं के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदाय की गई एवं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के संबंध में जानकारी देते हुये बताया कि जो आवेदक स्वरोजगार स्थापित करना चाहते हैं वह समस्त पोर्टल के माध्यम से अथवा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भिण्ड में आकर भी आवेदन कर सकते हैं। सेडमैप के जिला समन्वयक द्वारा संचालित विभिन्न कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई और बताया कि वर्तमान में डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, साइबर सिक्योरिटी एवं सेफ नेट सर्फिंग के संबंध में निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भिण्ड में अपना पंजीयन करा सकते हैं।

अपराधी पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक शैलेद्र सिंह चौहान ने बताया कि अपराधी रामूसिंह उर्फ रामेश्वर सिंह पुत्र उम्मेद सिंह तोमर निवासी ढ़ोचरा थाना उमरी पर बंदी बनाने या बंदी करवाने या बंदीकरण का विरोध किये जाने पर विधिसंगत आवश्यक शक्तियों का प्रयोग कर जो उसे बंदी करवायेगा या बंदी करवाने के लिए सूचना देगा उसे 10 हजार रूपये से पुरूस्कृत किया जावेगा।

विधुत कनेक्शन बहाल करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह को सौंपा ज्ञापन...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... 23 फरवरी 2023 को दो सूत्रीय मांगों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बाह के तत्वावधान में अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह को ज्ञापन सौंपा । इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष श्री उमाचरण कटारे ने कहा कि अम्बाह विधानसभा क्षेत्र के किसान भाइयों के विधुत कनेक्शन काटे जाने से फसलें बर्बाद हो रही हैं यदि तीन दिवस के भीतर विधुत कनेक्शन बहाल नहीं किए गए तो कांग्रेस कमेटी सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने को मजबूर होगी। जिसकी समस्त जबावदेही स्थानीय शासन प्रशासन की होगी।

उन्होंने कहा कि विधुत कनेक्शन काटे जाने से किसानों में भारी आक्रोश है यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो चक्का जाम और तालाबंदी जैसी स्थितियां निर्मित हो सकती हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से श्री बालिस्टर सिंह तोमर, सेवा दल जिला अध्यक्ष सुधीर मावई, बलवीर सिंह तोमर, शिवनारायण सखबार, धनंजय त्यागी, दुर्गा प्रसाद, वीरेंद्र सखबार, महेश कुमार जैन%विकल%सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण भाई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। बीते दो साल लगातार तक कोबिड की मार से फसलें तबाह हो गईं ,अब जैसे-तैसे किसान उस परिस्थिति से उबर रहा है तो विधुत विभाग कनेक्शन काटने पर आमादा है यह घोर अमानवीय कृत्य है । निवेदन है कि शीघ्र ही विधुत कनेक्शन बहाल किए जाएं एवं कोबिड कालीन बिलों को माफ कर किसानों को राहत दिलाई जाए। साथ ही बिल जमा करने के लिए फसल आने तक समय दिया जाए।

विराट ब्राह्मण महासम्मेलन को लेकर किया जा रहा है जनसंपर्क

मथुरा।।कोसीकलां,अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में विराट विप्र एकता सम्मेलन के तत्वाधान में श्री ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में तहसील के बरहना, जाब, नंदगांव, संकेत, ऊंचागांव, खायरा, गाजीपुर, संकेत, आदि दर्जनों ग्रामीण विप्रो को निमंत्रण देकर जनसंपर्क किया गया। वहीं दूसरी ओर हरिबल्लभ शर्मा के नेतृत्व में रोहतास शर्मा, धर्मेन्द्र पंडित,हरिया पंडित,अरुण शर्मा, लायकराम आदि ने समीपवर्ती राज्य के होडल, बंचारी,हसनपुर, खांबी, भिडुकी, बघौला, पलवल, लिखी, पैंगलतु आदि स्थानों पर विप्र बंधुओ को कार्यक्रम का निमंत्रण सौंपा। ब्रह्म कीर्ति रक्षक दल के संरक्षक सोहनलाल मिश्र, रामदेव भारद्वाज, भूदेव शर्मा, वीरपाल मिश्रा के नेतृत्व में सुरवारी, बरहना, खायरा, बठैन, सांखी, छाता में लोगो को निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया। जिलाध्यक्ष जगदीश शर्मा सुपानिया ने बताया कि विराट ब्राह्मण सम्मेलन में ग्रामीण इलाकों के विप्रों की आवाज को बुलंद किया जाएगा। कार्यक्रम में अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण सभा, मैथिल ब्राह्मण महासभा, सर्वोदय ब्राह्मण संस्था, ब्रह्म कीर्ति दल, शौभरेय ब्राह्मण सभा, गौड़, गौतम, सारस्वत, विद्वत परिषद, तीर्थ पुरोहित महासभा के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सभी विप्र बंधुओ को कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की गइ

परीक्षायें शांतिपूर्ण कराने के लिये जिले में 73 परीक्षा केन्द्र बनाये गये

मुरैना / जिले में हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री की परीक्षायें क्रमशः 1 एवं 2 मार्च से प्रारंभ होकर 1 अप्रेल 2023 तक चलेंगी। परीक्षायें शांतिपूर्ण कराने के लिये जिले में 73 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इन केन्द्रों में 11 संवेदनशील और 60 अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था हेतु उचित पुलिस बल तथा अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल लगाने के निर्देश कलेक्टर अंकित आस्थाना ने दिये है। इसके लिये पुलिस अधीक्षक मुरैना को पत्र लिखकर सभी परीक्षा केन्द्र तथा संवेदनशील अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त पुलिस तैनात करने का अनुरोध किया है।

वें अंतरराष्ट्रीय महाधिवेशन महावीर इंटरनेशनल अपेक्स सूरत (गुजरात) मे विशाल राउत खोंगल को 4 राष्ट्रीय पुरस्कार(अवार्ड) से सम्मानित किया

लांजी क्षेत्र का गौरव सच्ची सेवा, समर्पण भाव और त्याग कर मानव सेवा मे जीवन समर्पित कर देश में सर्व श्रेष्ठ सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया आज पुरे देश में लांजी का नाम

लांजी। सामाजिक कार्य मे अग्रणी महावीर इंटरनेशनल अपेक्स राष्टीय स्तर पर दिनांक 18 एवं 19 फरवरी 2023 को अंतर्राष्टीय महाधिवेशन सूरत (गुजरात) स्थित ग्रीन पैराडाइज रिजॉर्ट में आयोजित हुआ था। ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों में प्रथम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच कर सेवा कार्य मे अग्रणी वीर श्री विशाल राउत खोंगल जी डिप्टी डायरेक्टर × चेयरमैन लांजी महावीर इंटरनेशनल रीजन-9 एवं महावीर इंटरनेशनल लांजी संस्था को 4 अवार्ड राष्ट्रिय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ सेवा कार्य के अवार्ड लिए सम्मानित किया गया।पूरे राष्ट्रिय स्तर भारत में 2021-2023 राष्ट्रिय अधिवेशण मे सूरत (गुजरात) में महावीर इंटरनेशनल लांजी सेवा कार्य मे राष्ट्रिय पुरूस्कार से सम्मानित किया गया महावीर इंटरनेशनल लांजी को सत्र 2021-2023 सर्वाधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं चस्मा वितरण प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, सत्र 2021-2023 मे सर्वाधिक नेत्र चिकित्सा शिविर स्वास्थ्य कैंप में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, सत्र 2021-2023 मे ग्रीन एंड क्लीन प्रोजेक्ट में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, सत्र 2021-2023 मे बेस्ट चेयरमेन इन इंडिया मे दूसरा स्थान प्राप्त हुआ और महावीर इंटरनेशनल लांजी के द्वारा वानंचल क्षेत्र वासियों मे सेवा कार्य, शिक्षा ,स्वास्थ्य ,रोजगार, महीला सशक्तीकरण, कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अंतराष्टीय स्तर पर वीर श्री विशाल राउत खोंगल जी को सम्मानित किया गया। प्रतिवर्ष अनुसार इस बार राष्ट्रिय अधिवेशन सुरत शहर(गुजरात) में अंतर्राष्टीय अध्यक्ष वीर श्री एस के जैन जी एवं अंतराष्टीय महासचिव वीर श्री अनिल जैन जी के द्वारा सम्मानित किया गया , इस अवसर पर वीर श्री सोहन वैध जी अंतराष्टीय उपाध्यक्ष महावीर इंटरनेशनल रीजन-9 ,महाकौशल जोन के अध्यक्ष श्री सुशील जैन जी,कि उपस्थिति में सेवा कार्य के सम्मानित किया गया। महावीर इंटरनैशनल लांजी को इसके पूर्व 28 वें अंतरराष्टीय अधिवेशन नई दिल्ली में वीर श्री विजय बापना जी अंतराष्टीय अध्यक्ष के द्वारा 2017-2019 मे भी उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया था। साथ ही महावीर इंटरनेशनल अपेक्स मे 2020 मे श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी केंद्रीय मंत्री जल शक्ति भारत सरकार एवं श्री राजेन्द्र सिंह जी जल संरक्षक एवं जल पुरुष (मैग्सेसे अवार्ड पुरस्कार से सम्मानित) के द्वारा सर्व श्रेष्ठ चेयरमेन और सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया था। और सत्र 2019-2021 मे लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया था,2019-2021 मे भी उत्कृष्ट सेवा मोतियाबिंद ऑपरेशन और शीविर के लिए सम्मानित किया गया था। 2019-2021 मे बेस्ट चेयरमेन इन इंडिया के लिए सम्मानित किया गया था। सत्र 2021 मे बालाघाट में प्रांतीय अधिवेशन में पधारे वीर श्री शांति कुमार जैन जी अंतराष्टीय अध्यक्ष के द्वारा उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया था साथ ही जिले एवं क्षेत्र कि अन्य सामाजिक संस्थाओं के द्वारा महावीर इंटरनेशनल लांजी को सम्मानित किया। महावीर इंटरनेशनल लांजी द्वारा गरिमा प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रतिवर्ष महीला सशक्तीकरण जागृति अभियान में निशुल्क सेनेटरी नेपकिन वितरण किया था, वहीं स्कूलों में बेटियों को भी सेनेटरी नेपकिन वितरण कर जाग्रति संदेश दिया गया। और वहीं सरकारी हॉस्पिटल में न्यू बर्न बेबी को बेबी किट वितरण किया गया, वहीं सर्वाधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन , वनांचल क्षेत्र वासियों मे कम्बल वितरण कार्यक्रम, बेबी किट, सेनेटरी नेपकिन वितरण, स्कूलों में उच्च शिक्षा में प्रवेश करने के लिए मॉडल टेस्ट पेपर परीक्षा का आयोजन जाग्रति, कोविड काल में शहरी क्षेत्रों में और ग्रामीण क्षेत्रों खाद्य सामग्री का वितरण , वनांचल क्षेत्र वासियों मे कम्बल वितरण, खाद्य सामग्री वितरण, कपड़े, स्कूल सामग्री वितरण, एवं कोविड़ काल में भोजन सामग्री वितरण, ह्र -95 मास्क का वितरण और सेवा कार्य महावीर इंटरनेशनल के द्वारा किया गया था और अनेक सेवा कार्य महावीर इंटरनेशनल लांजी, जिला बालाघाट मध्यप्रदेश के द्वारा किया गया है।महावीर इंटरनेशनल लांजी टीम के द्वारा सर्व श्री शांति कुमार जैन जी श्री अनिल जैन जी, श्री सोहन वैध जी, सुशील जैन जी एवं सभी संगठन पदाधिकारियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया जिनमें सर्वश्री रामकुमार खरगाल, फणींद्र दुरुगकर, प्रवीण उमरे,भूपेश करहि, अरशद खान, इन्द्र कुमार राजा भूते,उमाकांत उपराडे, नंदकिशोर बिलावर, राधेश्याम नखाते,डॉ दुर्गेश तिडेक, संतोष तिड़के, दादू नाकतोड़े, प्रदीप मोनू अग्रवाल, ब्रजेश अग्रवाल, रविन्द्र पारधी, अंचल कालबेले, पवन खरखाटे, विजय कुथे , नेहल गौतम, नितिन हरिनखेडे, नवीन टेंभरे, इन्द्र कुमार पप्पू कावडे, सिद्दीकी अंसारी, सुरेश नखाते, रूपेश नखाते,, शिवम् नखाते, संतोष लिल्हारे, पवन उमरे, तपेश कालबेले, मुकेश कोल्हे, आदि सभी पदाधिकारी ने शुभकामनाए दी संस्था का धन्यवाद ज्ञापित किया। दिन दुखियों कि सेवा मे महाविर इंटरनैशनल लांजी, जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) सतत् अनवरत प्रयास जारी रखेगा साथ क्षेत्र के विकास हेतु नये आयाम स्थापित कर सार्थक प्रयास किए जाएंगे।

घोडी पर बैठकर विधायक सूबेदार सिंह रजौधा के साथ सीईओ और तहसीलदार विकास यात्रा लेकर पहुंचे माली बाज

मुरैना / घोडी पर बैठकर जौरा विधायक सूबेदार सिंह के साथ जनपद पंचायत के सीईओ और तहसीलदार विकास यात्रा को लेकर माली बाजना पहुंचे। माली बाजना में यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा का शुभारंभ कलश यात्रा, कन्याओं का पूजन करके हुआ।इस अवसर पर विधायक सूबेदार सिंह रजौधा ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व की सरकार में प्रदेश में चहुमुखी विकास कार्य हुये हैं। उन्होंने कहा कि माधोपुरा में ही 53.02 लाख रूपये के विकास कार्य हुये हैं। इनमें 28.08 लाख रूपये की लागत से तीन रपटा निर्माण पूर्ण किये गये हैं। 9.47 लाख रूपये की लागत से रिनोवेशन, 3.42 लाख खेत, तालाब और 11.33 लाख रूपये की लागत से लज्जाराम के खेत के पास माधोपुरा में भी विकास कार्य किये गये हैं। इन सभी कार्यों का लोकार्पण किया गया। विकास यात्रा जौरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मालीबाजना सहित बघरोली, अरोंदा, डमेजर, बस्तोली के गांवों में पहुंची जहां जरूरतमंद लोगों को हितलाभ का वितरण किया गया तथा कई विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया।विकास यात्रा के दौरान ग्राम मैं जल बचाओ हेतु कलश यात्रा निकाली गई

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनीं बैंक वाली दीदी, अमिता साहू

संवाददाता हेमचंद नागेश

बीसी योजना गांवों और शहरों दोनों में 24 घंटे बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही है। इसमें विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली हजारों महिलाओं को रोजगार प्रदान करने की अपार संभावनाएं है। देवभोग में महिलाएं न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान भी दे रही हैं। बुधूपारा की 28 वर्षीय अमिता साहू इसकी मिसाल हैं। अमिता साहू देवभोग में कार्यरत बैंक आफ बडोदा छत्तीसगड राज्य ग्रामीण बैंक के 32 बीसी में से एक हैं, जो अपने क्षेत्र लाटापारा में गांव के लोगों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर हो गई हैं।बीसी अपने परिवार को अपने गांव में एक सभ्य जीवन देने में भी सक्षम हो रहे हैं। वह कहती हैं, हर कोई मुझे %बैंक वाली दीदी% के रूप में बुलाता है। वे मुझे देर रात पैसे निकालने व जमा करने के लिए भी बुलाते हैं। मुझे उनकी मदद करने में खुशी होती है।अमिता कहती हैं कि एक बार,आर्मी कि तैयारी कर रहे छात्र का एक्सीडेंट हो गया। वह अपने बैंक खाते से पैसे निकालना चाहता था, लेकिन रात में बैंक शाखा नहीं जा सका क्योंकि बैंक बंद होता है इसलिए उसने मुझे फोन किया। मैं तुरंत उसके घर पहुंची और रकम निकालने में उसकी मदद की। संकट में किसी की मदद करना बहुत अच्छा लगता है।बीसी योजना महिलाओं को रोजगार के अवसर देकर लाभान्वित करने

और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए की थी। कार्यक्रम को एक ग्राम पंचायत - एक बीसी सखी' पहल के तहत डिजाइन किया गया था महिलाएं बैंकिंग सखी के रूप में इस योजना में शामिल हुई हैं और गांवों में लोगों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं।इस पहल के तहतअपने गांव की एकमात्र योग्य महिला होने के नाते, अमिता ने बैंकिंग सखी की नौकरी की। इस प्रयास में उनके घर वालो ने उनका साथ दिया और जल्द ही अमिता को प्रशिक्षण मिल गया।उन्हें जुलाई, 2021 में एसएचजी से ऋण के रूप में 68000 रुपये की सहायता 6त्न कि ब्याज में मिली। जुलाई, 2021 में उन्होंने बीसी एजेंट के तौर पर काम करना शुरू किया अपना कारोबार चलाने लगीं। बाद में उन्होंने सरपंच के सहयोग से पंचायत मे अपना कार्यालय स्थापित करवाया।अमिता लगभग 10 लाख रुपये का मासिक लेनदेन करती है। उन्होंने सैकडों प्रधानमंत्री जन धन योजना खाते खोले हैं, जिनमें ज्यादातर उनकी ग्राम पंचायत में महिलाएं हैं।वह लोगों को नकद निकासी, नकद जमा,बिल भुगतान (उपयोगिताएं), बीमा (पीएमएसबीवाई और पीएमजेजेबीवाई) और पेंशन (एपीवाई) सेवाएं प्रदान करती हैं।अमिता बताती हैं कि उनकी 50 प्रतिशत से अधिक ग्राहक महिलाएं हैं। महिला ग्राहकों को महिला एजेंटों से संपर्क करना आसान, भरोसेमंद और गोपनीयता बनाए रखने में उचित लगता है। जो दर्शाता है कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं को स्वतंत्र, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर रही है।

ग्रामीणों के जीवन को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए बैंकों को उनके दरवाजे तक लाया है। पंचायत स्तर मे बीसी नियुक्त होने से बैंक में घंटों भर कि लगने वाली लाईन से मिली छुटकारा दुरी हुई कम बूडे बुजुंग को होने वाली परेशानी से मिली मुक्ति

पूर्व विधायक परशुराम मुदगल के आरोप. पुलिस थानों में हो रही वसूली, बड़े अफसरों तक जा रहा पैसा

मुरैना के पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता परशुराम मुदगल ने अपनी ही पार्टी के बड़े नेताओं से लेकर पुलिस व्यवस्था को जमकर कोसा है। गुरुवार को पत्रकारवार्ता बुलाकर परशुराम मुदगल ने कहा, कि मुरैना जिले के हर थाने में लूट मची हुई है। बीच के अधिकारी बड़े अधिकारियों तक पैसा पहुंचा रहे हैं। कुछ दिन पहले जौरा क्षेत्र की महिला के साथ दुष्कर्म हुआ, पुलिस ने 10 दिन तक उसकी शिकायत नहीं सुनी। मैंने दो बार एसपी साहब को बोला, तब महिला को थाने बुलाया गया और जौरा थाने में

दुष्कर्म पीड़िता से 50 हजार रुपये वसूलकर उसकी एफआइआर लिखी गई।पत्रकारवार्ता में यह बातें मुरैना के पूर्व विधायक व भाजपा के वरिष्ठ नेता परशुराम मुदगल ने कहीं। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग हो या पुलिस हो हर विभाग में लूट मची हुई है। मैं भोपाल जाकर पूरा काला चिट्ढा बनाकर सीएम साहब को सौंपूंगा। उन्होंने जिलेभर की पुलिस पर वसूली से लेकर अन्य कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कि पुलिस संरक्षण में मुरैना शहर के गोपालपुरा में 12 से 14 साल के नाबालिगों से खुलेआम शराब बिकवाई जा रही है। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि भाजपा के बड़े नेता, मंत्री, विधायक क्या देख रहे हैं? इस पर पूर्व विधायक ने दो टूक कहा, कि सत्ताधारी नेताओं की निष्क्रियता के कारण यह सब हो रहा है। किसी नेता का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, कि हमारी पार्टी का एक बड़ा नेता अफसरों को टाइट कर दे, तो पुलिस की क्या औकात ऐसे खुलेआम भ्रष्टाचार व वसूली करे।अब स्थिति यह है कि जनता, भाजपा से दूरी बनाती जा रही है। चुनाव में हम किस मुंह से भाजपा के लिए वोट मागेंगे।

इंटक महिला अध्यक्ष श्रीमती शांति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाकात

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । इंटक कांग्रेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव रेड्डी से अधिवेशन में सहारा कंपनी सैलरी की समस्याओं को लेकर कांग्रेस इंटक महिला की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शांति कुशवाह ने दिल्ली में इंटक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात किया, इंटक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रेड्डी ने आश्वासन देते हुए कहां इस मामले को सदन की कार्रवाई में रखा जाएगा एवं आने वाले समय में अगर कॉन्ग्रेस की सरकार बनती है,तो इस समस्या का समाधान भी तत्काल किया जाएगा।

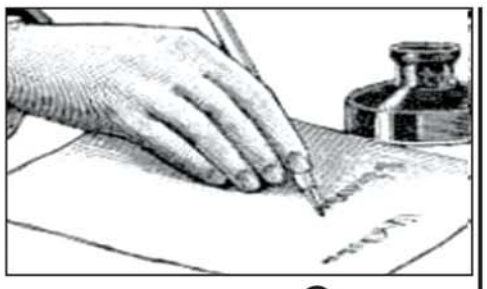

सम्पादकीय

खाओ-खाने दो शैली के तारणहार

सरकार हमारी कम्पोजिट कल्चर में विश्वास करते हैं। उनकी नीति में मार भी है तो साथ ही पुचकारना। वे मारते भी हैं और रोने भी नहीं देते। उनके एक हाथ में लड्डू है तो दूसरे हाथ में महंगाई! एक पांव के नीचे गांवों की अटल सड़कें हैं तो दूसरे पांव के नीचे चार्टर्ड प्लेन है। बहनों के लिए साइकिल है तो भाइयों के लिए सिर्फ लड्डू! सरकार हमारे देशी रूप भी धरते हैं तो विदेशी मुद्रा में भी आ सकते हैं। सरकार हमारे गरीब-अमीर में कोई भेदभाव नहीं करते। वे चुनावों के समय गरीब की शरण में रहते हैं तो वहीं चुनाव होने के बाद अमीरों के...! सरकार हमारे अपनी सरकार भी कम्पोजिट शैली में चलाते हैं। उनकी सरकार में देशी-विदेशी दोनों तरफ के मंत्री-विधायक मिल जाते हैं। कुछ का भाव कम होता है तो कुछ का डॉलर में! उनकी सरकार में ऊंचे से ऊंचे दाम वाले प्रोडक्ट हैं तो वहीं जमीनी समीकरण साधने वाले ब्रांड भी मिल जाएंगे। वे बैठकर भी खा सकते हैं और खड़े-खड़े किसी भी बफर पार्टी का आनंद ले सकते हैं। यह कम्पोजिट संस्कृति ही है जिससे हमारा लोकतंत्र फल-फूल रहा है। हर राज्य जनकल्याण के मार्ग पर दिनोंदिन आगे बढ़ता जा रहा है। जनता के लिए चौराहे-चौराहे कम्पोजिट कल्चर की दुकानें खोल दी हैं। आओ जैसा माल चाहिए ले जाओ। एक जगह से ही देशी-विदेशी ब्रांड उपलब्ध होगा। इस कंपोजिट कल्चर की बदौलत कितने ही राज्य राजस्व की लंबी उड़ान भरते हैं। कंपोजिट कल्चर वाले मंत्रालय में हर कोई खूब फलता-फूलता रहता है। इस कल्चर से राज्य में विकास की गंगा बहती रहती है। हर कंपोजिट कल्चर की दुकान पर हमारे सरकार का आदमकद पोस्टर लगना चाहिए। हर मंत्रालय को इस कल्चर का अनुकरण करना चाहिए। शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्रालय में भी कंपोजिट कल्चर की जल्द से जल्द शुरूआत कर देनी चाहिए। देशी शिक्षक के साथ-साथ विदेशी शिक्षक की भी भर्ती करनी चाहिए। चिकित्सा क्षेत्र में भी कंपोजिट कल्चर आना चाहिए। देशी दवाओं के साथ-साथ विदेशी दवा भी उपलब्ध हो। न्यायपालिका को भी अपना बोझ कम करने के लिए कंपोजिट कानूनी कल्चर पर विचार करना चाहिए। मेरी तो फ्री में राय है कि यह कंपोजिट संस्कृति विश्वस्तर पर लागू होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों में इस कल्चर पर सेमिनार आयोजित करवाने चाहिए। नई शिक्षा नीति में कंपोजिट कल्चर को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। जैसे आनलाइन माध्यम से घर बैठे देशी व विदेशी डिग्री दी जानी चाहिए। बताओ इस कल्चर से सरकार का कितना धन बचेगा। जीडीपी बढ़ जाएगी।

दूरगामी रणनीति से ही समाधान संभव

> अव्यवस्थित पार्किंग जाम का मुख्य कारण बन रही है। राजधानी दिल्ली में भी वाहनों की पार्किंग का संकट लगातार बढ़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, सत्तर लाख से अधिक वाहनों वाले इस महानगर में वाहनों की संख्या में बड़ी तेजी से इजाफा हो रहा है।

देशभर में वाहन को पार्क करने को लेकर विवाद दिनोंदिन बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों उत्तर पूर्वी दिल्ली में पार्किंग विवाद में पड़ोसी ने दो साथियों के साथ मिलकर पिता-पुत्र को गोली मार दी। दरअसल, ऐसे विवाद हर दिन सुर्खियां बटोर रहे हैं। बीते दिनों नोएडा के सेक्टर-12 में गाड़ी पार्किंग को लेकर शुरू हुआ जरा-सा विवाद इतना बढ़ गया कि दुकानदार और गाड़ी के ड्राइवर के बीच मारपीट शुरू हो गई। घटना पास के लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। कुछ माह पहले नोएडा में पार्किंग विवाद के दो मामले सामने आए थे और दोनों ही सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुए। भारत में आजकल पर्याप्त पार्किंग के अभाव के चलते समस्या पैदा हो गयी है। मोटर वाहनों की कुल संख्या, कुल परिवारों की संख्या के मुकाबले बढ़ती जा रही है। स्थिति ऐसी है कि शहरी क्षेत्रों में किसी भी कामकाज के दिन लगभग 40 फीसदी सड़कों पर कारों की पार्किंग की जाती है। कम आय वाले लोग भी कारों के मालिक हैं, कार वाले परिवारों की संख्या देश के प्रबंधन की क्षमता से कहीं अधिक हो गई है। वैसे भी, भारत के शहर बेहद भीड़भाड़ वाले हैं वहीं पार्क की गई कारों द्वारा बहुत अधिक जगह घेरी जाती है जबकि वह बेहतर ढंग से इस्तेमाल की जा सकती है। भारत के कई शहर दुनिया के सबसे खराब जीवन व्यतीत करने वाले शहरों में अव्वल आते हैं जिसकी एक वजह बेकार तथा न्यूनतम यातायात व्यवस्था भी है। पार्किंग पर विवादों के बढ़ने के चलते सवाल है कि आखिर वाहन पार्किंग की समस्या का समाधान क्या हो? असल में इस समस्या के समाधान की दिशा में सरकारों को संवेदनशीलता बरतने की जरूरत है। देश में ऐसी पार्किंग नीति का क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, जिससे न केवल पार्किंग स्थलों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो बल्कि निजी वाहनों की आवाजाही को भी कम किया जाए। शहरों के प्रमुख बाजारों में पार्किंग की समस्या गंभीर रूप ले रही है। बाजार में जगह नहीं होने के कारण लोग फुटपाथ और सड़कों पर गाड़ी पार्क करते हैं। अव्यवस्थित पार्किंग जाम का मुख्य कारण बन रही है। राजधानी दिल्ली में भी वाहनों की पार्किंग का संकट लगातार बढ़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, सत्तर लाख से अधिक वाहनों वाले इस महानगर में वाहनों की संख्या में बड़ी तेजी से इजाफा हो रहा है, लेकिन इसी अनुपात में इनकी पार्किंग के इंतजाम नहीं किए जा रहे। दिल्ली में पड़ोसी शहरों से भी प्रतिदिन लाखों की संख्या में गाड़ियां आती हैं। इन्हें भी जगह चाहिए। विशेषज्ञों ने दिल्ली सरकार को सुझाव दिया था कि सड़क जाम और पार्किंग जैसी समस्याओं पर काबू पाने के लिए निजी वाहनों की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाई जाए। इसके लिए पार्किंग शुल्क में इजाफे की बात कही गई थी। लेकिन क्या पार्किंग की समस्या का यह स्थाई समाधान है? जरूरत पार्किंग समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने की है। शहरों में निजी वाहनों की संख्या में बेतहाशा और अनियंत्रित बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते सुगम यातायात प्रभावित होता है। ऐसे में सरकारों को निजी वाहनों के क्रय पर लोक परिवहन एवं यातायात शुल्क लगाने का प्रावधान करना चाहिए, जिससे निजी वाहनों की संख्या में कमी आएगी और सुगम यातायात सुनिश्चित हो सकेगा। शहरों के व्यस्त इलाकों में खाली जगहों का अभाव होने से आवश्यकता के अनुरूप पार्किंग अधोसंरचना का विकास करना संभव नहीं हो पा रहा है। इसके चलते लोग अपनी गाड़ियां घर से बाहर सड़क पर पार्क कर देते हैं। इससे राहगीरों को व यातायात में दिक्कत होती है। शहर में सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए पार्किंग अधोसंरचना में वृद्धि एवं अपेक्षित जनसहभागिता की आवश्यकता है। पार्किंग के प्रति जागरूकता के अभाव में अकसर लोग पार्किंग स्थलों का उपयोग न कर, पार्किंग के लिए गैर चिह्नित स्थलों पर वाहन पार्क कर देते हैं। वहीं कुछ लोग नो-पार्किंग जोन, नो-स्टॉपिंग जोन एवं कंट्रोल्ड पार्किंग के क्रियान्वयन में अपेक्षानुरूप सहयोग नहीं करते हैं, जिससे पार्किंग नियमों का समुचित क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता। दरअसल, पार्किंग नियमों का पालन तभी हो सकेगा, जब नागरिक पार्किंग का महत्व समझें। सरकारों को पार्किंग की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे व साथ ही नागरिकों को सूचना, शिक्षा, संचार गतिविधियों के माध्यम से पार्किंग का महत्व समझाये जाने की आवश्यकता है। विकसित देशों को ही लें। यूरोप के पर्यटन क्षेत्रों में लोग पैदल या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करके जाते है। लेकिन भारत में लोग अपनी कारों से किसी भी स्थान पर जा सकते हैं जिससे आसपास के क्षेत्र को बाधित करते हैं। कई विकसित देशों में कार लाइसेंस महंगा है और जो लोग कार लाइसेंस प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें यह भी साबित करना होगा कि उनके पास कार्यालयों के साथ-साथ अपने घरों में भी पार्किंग की पर्याप्त जगह है। जैसा कि भारत में अधिकांश अन्य सार्वजनिक सेवाओं के साथ है, जवाबदेही यहां पर भी महत्वपूर्ण होनी चाहिए। नीतियां बनाई जा सकती हैं लेकिन लोगों को उनका ठीक से पालन करना होगा। लंबे समय तक समाधान के लिए उचित नियोजन की जरूरत है। भारत में सार्वजनिक परिवहन की स्थिति में सुधार के साथ मौजूदा पार्किंग स्थलों के अधिकतम उपयोग को यकीनी बनाने की भी दरकार है।

सिद्धांतवादी राजनीति की हो ईमानदार कोशिश

राजनीति को अक्सर संभावनाओं का खेल कहा जाता है। इसका एक अर्थ यह भी है कि सत्ता के लिए राजनीति में कुछ भी हो सकता है। वस्तुतः कहा जाना चाहिए कुछ भी किया जा सकता है। देश की राजनीति की बात करें तो आज केंद्र में भाजपा की जमी-जमायी सरकार है और वर्तमान स्थितियों के आकलन को देखते हुए आगामी आमचुनाव में, यानी वर्ष 2024 में होने वाले चुनाव में भाजपा के ही आगे रहने के आसार दिखाई दे रहे हैं। अब तक के सारे सर्वेक्षण यही बता रहे हैं कि भाजपा की स्थिति कुछ कमजोर अवश्य हो सकती है, पर सत्ता पर उसकी पकड़ बनी रहेगी। इस तरह के राजनीतिक आकलन हमेशा सही ही हों, ऐसा नहीं है। सर्वेक्षण अक्सर गलत भी साबित होते रहे हैं। वास्तविकता तो चुनाव-परिणाम आने के बाद ही सामने आयेगी, पर स्थितियों को देखते हुए राजनीतिक समीकरण और गणित के खेल तो चल ही रहे हैं। इसी खेल का हिस्सा है विपक्षी एकता की कोशिशें। माना यह जा रहा है कि भाजपा को हराने या भाजपा से मुकाबले का एक ही तरीका है–भाजपा-विरोधी दल एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से बाहर करने की कोशिश करें। यह एकजुट होने वाली स्थिति भी देश में पहली बार नहीं बनी है। कभी कांग्रेस से मुकाबले के लिए राजनीतिक दल इस तरह की रणनीतियां बनाया करते थे, आज कांग्रेस आह्वान कर रही है कि विरोधी-पार्टियां मिलकर भाजपा को हराने की कोशिश करें। लगभग आधी-सदी पहले, सही कहें तो वर्ष 1967 में समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने पहली बार गैर-कांग्रेसवाद का नारा दिया था, अर्थात? देश के राजनीतिक दलों से कहा था, वे मिलकर कांग्रेस पार्टी की ह्यगलत रीति-नीतिह्न का विरोध करें। ऐसा हुआ और लगभग नौ राज्यों में कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी थी। फिर जब कांग्रेस ने आपातकाल की घोषणा करके जनतंत्र को पटरी से उतारा तो जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, वर्ष 1977 में, जनता पार्टी का गठन हुआ था, जिसमें कांग्रेस पार्टी का विरोध करने वाले लगभग सभी दल शामिल हुए थे। पिछले लगभग दस साल से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी का शासन है, देश के अधिसंख्य राज्यों में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें हैं। सत्तारूढ़ दल को हराने के लिए एकबार फिर विपक्ष के एकजुट होने का नारा दिया जा रहा है। हो सकता है इस नारे का कुछ असर हो, हो सकता है कुछ राज्यों में भाजपा की वर्तमान सरकारों को मुंह की खानी पड़े। यह भी हो सकता है कि विपक्षी एकता के सामने केंद्र में सत्तारूढ़ दल की स्थिति कमजोर हो जाये। पर यह संभावनाओं का ही खेल है। आज जो स्थिति है वह यह है कि विपक्षी दल किसी एक रणनीति पर एकमत नहीं हो पा रहे हैं। सच पूछें तो सवाल नीति का है ही नहीं, सवाल अलग-अलग नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का है। बिहार में नीतीश कुमार नेतृत्व का दावा कर रहे हैं तो बंगाल में ममता बनर्जी। दक्षिण में तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव ने अखिल भारतीय पार्टी बनाकर अपना नाम अखाड़े में उछाल दिया है तो ह्यआपह्न पार्टी के अरविंद केजरीवाल भी ऊंचे सपने देख रहे हैं। वैसे अलग-अलग नेताओं की इस दावेदारी में न तो कुछ अस्वाभाविक है और न ही गलत। राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पालना भी गलत नहीं है और राजनीति की बिसात पर अपनी गोटियां खेलना भी स्वाभाविक है। लेकिन देश की राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यह सवाल तो उठता ही है कि सिर्फ सत्ता से किसी को हटाने के लिए या स्वयं सत्ता में आने के लिए सिद्धांतहीन गठबंधन जनतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से कितने उचित हैं? वर्ष 1967 में और फिर 1977 में, दो बार, देश में ऐसे गठबंधन के प्रयोग हम देख चुके हैं। विपक्ष के सभी दलों का साथ आना तब एक राजनीतिक आवश्यकता थी। इसका परिणाम भी निकला, पर ज्यादा दिन तक चल नहीं पाया यह प्रयोग। सच तो यह है कि कुल मिलाकर प्रयोग अवसरवादी राजनीति का ही उदाहरण बन कर रह गये। फिर हमने अलग-अलग राज्यों में इस घटिया राजनीति के प्रयोग देखे। कभी राजनीतिक दलों ने अनैतिक समझौते किये और कभी महत्वाकांक्षी राजनेताओं ने। राजनीति के इस घटिया खेल में रातोंरात नेताओं की आस्थाएं पलटती रहीं। नेताओं के राजनीतिक स्वार्थ भले ही इस खेल में सधते रहे हों, पर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की तो ऐसे हर प्रयोग में हार ही हुई है। सवाल उठता है देश की राजनीति को सुधारने के लिए ऐसा कोई प्रयोग कैसे हो जो जनतांत्रिक मूल्यों के भी अनुरूप हो? इस सवाल का जवाब यही है कि गठबंधन कुर्सी के लिए नहीं, मूल्यों के लिए हों। त्रासदी यह है कि यह काम असंभव की हद तक मुश्किल लग रहा है। त्रासदी यह भी है कि शानदार जनतांत्रिक परंपराओं के बावजूद हमारे देश में राजनीति का आधार अक्सर अवसरवादी रहा है। सिर्फ सत्ता के लिए होने वाली इस राजनीति में न सिद्धांतों के लिए कोई जगह बची है और न ही मूल्यों के लिए। ऐसे में आदर्श स्थिति तो यह है कि देश में सिद्धांतवादी राजनीति के लिए ईमानदार कोशिश हो, पर यह बात कहना जितना आसान है, इसका होना उतना ही मुश्किल है। असंभव लग रहा है ऐसा होना, पर इसे संभव बनाना ही जनतंत्र को जीवित रखने की शर्त है।

> यानी वर्ष 2024 में होने वाले चुनाव में भाजपा के ही आगे रहने के आसार दिखाई दे रहे हैं। अब तक के सारे सर्वेक्षण यही बता रहे हैं कि भाजपा की स्थिति कुछ कमजोर अवश्य हो सकती है, पर सत्ता पर उसकी पकड़ बनी रहेगी। इस तरह के राजनीतिक आकलन हमेशा सही ही हों, ऐसा नहीं है। सर्वेक्षण अक्सर गलत भी साबित होते रहे हैं।

मुनाफे में किसान का हिस्सा सुनिश्चित हो

> कृषि संबंधी उद्योगों को मिलने वाली संघीय सरकार की मदद अधिकाशंतः किसानों की एवज पर होती है। मैंने महसूस किया कि नीति-निमार्ताओं, नीति विश्लेषकों के अलावा मीडिया की अतार्किक व्याख्या को उजागर करता यह निचोड़ कितना सटीक है।

पर्यावरण विज्ञान के जाने-माने अध्ययनविद प्रोफेसर डेविस स्टोन, जो ह्यकृषि दुविधा : दुनिया का पेट कैसे भरें नामक लेख के लेखक भी हैं, उन्होंने एक दिन ट्वीट करते हुए कहा, मैं कृषि संबंधी उद्योग और किसानी को जुदा मानता हूं। कृषि संबंधी उद्योगों को मिलने वाली संघीय सरकार की मदद अधिकाशंतः किसानों की एवज पर होती है। मैंने महसूस किया कि नीति-निमार्ताओं, नीति विश्लेषकों के अलावा मीडिया की अतार्किक व्याख्या को उजागर करता यह निचोड़ कितना सटीक है क्योंकि हमें यह यकीन दिलाना कि कृषि संबंधी उद्योग को सरकारी मदद का मतलब है किसानी मदद करना, तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है। अपनी प्रतिक्रिया में मैंने इस तरह स्पष्ट किया ह्यभारत में भी, ज्यादातर विश्लेषक कृषि व्यवसाय को मिलने वाली मदद का अर्थ किसान को मिली मदद से निकालते हैं। यही वजह है कि जहां कृषि-संबंधी उद्योग तरक्की करते गए वहीं कृषक नीचे फिसलते गए ह्न कम से कम यह वही है जो मैंने सालों से होते देखा है। एक तरफ खाद, कीटनाशक, ट्रैक्टर और अन्य खेती उपकरण इत्यादि के निमार्ता लगातार फल-फूल रहे हैं और उनके शेयरों के दाम बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर किसान को बुरी तरह कृषि-संत्रास झेलने पड़ रहे हैं। ठीक इसी वक्त मीडिया में आए दिन खबरें देखने को मिलती हैं कि सही दाम न मिलने से हताश किसान ने टमाटर, लहसुन, आलू और बैंगन सड़कों पर फेंक दिए या खड़ी फसल को खुद आग लगानी पड़ी। तमाम नतीजे किसान को ही भुगतने पड़ते हैं। आज तक नहीं देखा कि किसी व्यापारी को (जैविक उत्पाद खरीदने वाले सहित) अंततः घाटा उठाना पड़ा हो। उदाहरणार्थ, पंजाब में, वर्ष 2000-2015 यानी 15 सालों में 16,600 किसानों ने आत्महत्या की है जबकि हमने शायद ही किसी व्यापारी को (सिवाय निजी कारणों से) खुदकशी करते पाया। दूसरे शब्दों में, कृषि आपूर्ति शृंखला इतनी चतुराई से गढ़ी गई है कि कड़ियों के दोनों छोर वाले तो फायदे में रहते हैं लेकिन किसान घाटे में। यही वजह है कि हर साल रिकॉर्ड कृषि उत्पादन होने के बावजूद कमाई में कृषक सबसे निचले पायदान पर रहता है। अक्सर हैरानी होती है कि मार्च, 2021

में जारी एफएओ नामक संगठन की रिपोर्ट में भारतीय कृषि (वर्ष 2018) के अनुमान में सकल कृषि फसल उत्पादन का मूल्य 289,802,032 मिलियन डॉलर आंका गया, वहीं सकल खाद्य सामग्री उत्पादन 400,722,025 मिलियन डॉलर मूल्य का रहने पर भी किसान आर्थिक बदहाली में है। आखिरकार, अपने 418,541,342 मिलियन डॉलर मूल्य के उत्पादन के साथ भारत दुनियाभर में चीन के बाद दूसरे पायदान पर है। फिर भी भारतीय खेती को भीषण संत्रास का सामना क्यों करना पड़े। इस बाबत ह्यसिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे ऑफ एग्रीकल्चर हाउसहोल्ड-2018 रिपोर्टह्न में अनुमान के मुताबिक एक औसत कृषक की कुल पारिवारिक आय 10218 रुपये (124 डॉलर) प्रति माह है। इस कमाई में गैर-कृषि गतिविधियों से प्राप्त आमदनी भी शामिल है। लेकिन बात जब विशुद्ध से प्राप्त कमाई की करें तो यह महज 27 रुपये दैनिक बनती है। उत्पादन आंकड़ों को देखकर यह साफ है कि आर्थिक विकास की बुनियाद किसान की मेहनत पर टिकी है, और दौलत के असल सूत्रधार भी वे हैं। लेकिन जब हम खेती से प्राप्त आय देखें तो जिस दारूणता और दर्द के साथ कृषक किसी तरह जी रहा है, यह पहेली बनी हुई है। फिर भी, किसान की कमाई बढ़ाने की खातिर सरकारी सहायता के परोक्ष उपाय और कार्यक्रम, जिसमें फसल का गारंटिड मूल्य देना शामिल है, यह लाभ सीधे किसान को पहुंचे, ऐसी नीतियां बनाने के बजाय नियंताओं का ध्यान आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित रहता है, जिसका मतलब है एक बार फिर से खाद्य शृंखला के आखिरी छोर वालों का फायदा करना। इस जटिलता को आसानी से समझाने का उपाय ह्यएग्रीबिजनेस मैटर्सह्न नामक वेबसाइट चलाने वाले वेंकी रामचंद्रन नामक एक तकनीक-माहिर ने सुझाया है। इसके अनुसार, जाने-पहचाने ह्यस्माइलीह्न प्रतीक चिन्ह को देखें तो होठों की मुस्कान अंग्रेजी वर्ण यू का द्योतक है, उसके दोनों अंतिम सिरों पर, एक पर कृषि में प्रयुक्त अवयवों के निमार्ता हैं और दूसरे पर कृषि उत्पाद के खरीदार, तो वहीं चंद्राकार वक्र के सबसे निचले बिंदु पर दबा-कुचला किसान है। इसलिए स्माइली वक्र उस अफसोसनाक सवाल का सबसे आसान जवाब है, जिसकी अनदेखी अधिकांश लोग करना चाहते हैं और फिर पूछते हैं ह्यजब कृषि से जुड़े तमाम व्यवसाय पैसा बना रहे हैं तो फिर किसान की कमाई क्यों नहीं हो रही? जैसा कि अक्सर समझाता आया हूं, नई तकनीक से दक्षता बढ़ने और इससे बढ़े कृषि उत्पादन के बावजूद किसान की कृषि से होने वाली आय नीचे जा रही है। जैसा कि कनाडाई लेखक और समालोचक डारिन क्वालमैन ने अपने आकलन में दशार्या है, किसान को मिलने वाली गेहूं की वास्तविक कीमत (मुद्रा स्फीति ध्यान में रखने के बाद) पिछले 150 सालों से नीचे की ओर जाती गई, गेहूं की कीमत 1867 में 30 डॉलर प्रति बुशेल (27.21 किलो) से घटकर वर्ष 2017 में 5 डॉलर प्रति बुशेल हो गई। जबकि इस अवधि में, गेहूं से बनने वाली डबलरोटी की कीमत बढ़ती गई, केवल पिछले चार दशकों में इनमें कई गुणा इजाफा हुआ है। इसी तरह यदि लैटिन अमेरिकी मुल्कों से निर्यातित केले का मामला देखें तो उपभोक्ता द्वारा चुकाई कीमत से किसान के हिस्से आने वाली इतनी कम है कि इससे पैदावार की लागत तक नहीं निकलती। किसान साल के 9 महीने खूब खटता है फिर भी मामूली आमदनी पर किसी तरह जीवित है। लेकिन दूसरी ओर उसके उत्पाद की आपूर्ति शृंखला के दोनों छोर वाले यानी कंपनियां और ग्राहकों को कोई शिकायत नहीं है। एक अमेरिकी कृषक ने कुछ देर पहले ट्वीट किया था कि मक्का का जो मूल्य उसे आज मिल रहा है वह 1970 के दशक के शुरू में उसके पिता को मिलने वाली कीमत से कम है। जाहिर है सबक मिलता है। जब बजटीय प्रावधानों में कृषि से जुड़ी समूची मूल्य शृंखला को बढ़ावा देने वाले उपाय, जिसमें डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा बनाने और कृषि नव-नवोन्मेष के लिए अलहदा विशेष फंड रखा गया है, तो यहां सवाल है ये उपाय किसान की आय बढ़ाने में कैसे परिवर्तित होंगे? यहां तक कि कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) के मामले में भी, वे लोग इस विचार को लेकर बहुत उत्साह दिखाते हैं कि यदि कई किसान अपने उत्पाद को आपस में एका बनाकर बेचें (एग्रीगेशन) तो जिंस की बढ़िया कीमत ले पाएंगे, लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में जो मूल्य उत्पाद का लगता है, वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से कही कम होता है। प्रस्तावित कृषि वेगवर्धक निधि, जिसकी घोषणा बजट-2023 में की गई है और जिसका उद्देश्य कृषि नवोन्मेष को मदद देकर किसानों को दरपेश चुनौतियों का नूतन हल निकालना है, देखना है क्या यह प्रयोग भी अंततः तकनीक-प्रदाताओं का ही फायदा करेगा या वास्तव में किसान की उद्यम-क्षमता बढ़ाने वाला होगा।

बिहार के इन खूबसूरत हिल स्टेशन को देखते ही छोड़ देंगे सारे ऑप्शन

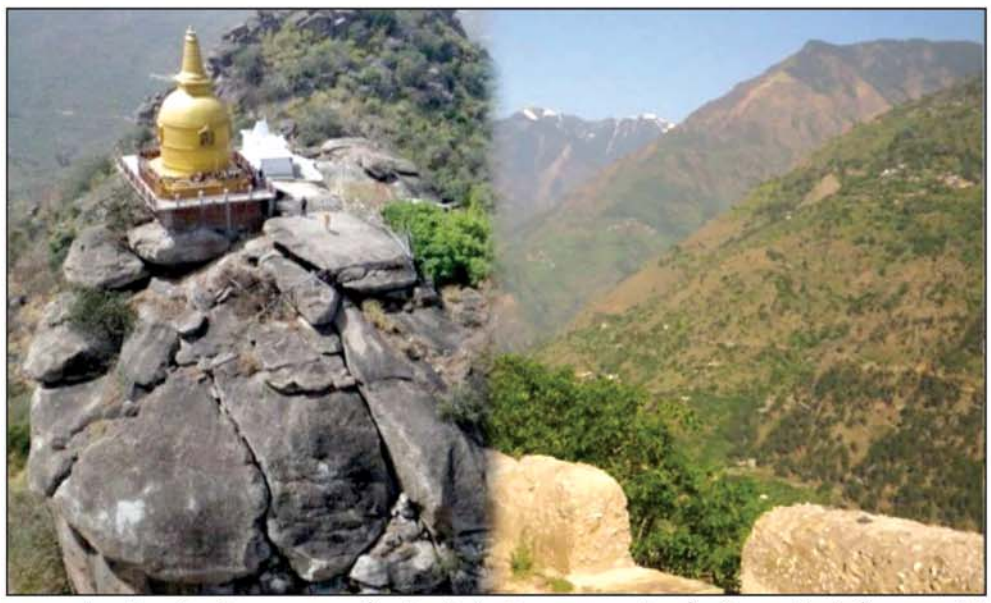

बिहार न सिर्फ एक अच्छी खासी जनसंख्या वाला राज्य है, बल्कि यहां पर आपको कई शांत और खूबसूरत जगह भी देखने को मिलेंगी। यहां पर घूमने के लिए कई ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। लेकिन क्या आप बिहार के इन खूबसूरत हिल स्टेशंस के बारे में जानते हैं।

जब भी कहीं घूमने जाने का मन करता है या फिर किसी ट्रिप पर जाना होता है, तो पहाड़ों की सैर करना लोगों की पहली पसंद में आता है। पहाड़ों की सैर करना लोगों को काफी पसंद आता है। वैसे भी प्रकृति ही एक ऐसा स्थान है, जहां पर लोगों को चैन और सुकून मिलता है। हमारे आसपास कई ऐसे राज्य हैं, जहां आप जा सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बिहार के कई खूबसूरत हिल स्टेशंस के बारे में बताएंगे। बिहार में बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन होने के साथ ही सुकून देने वाली वादियां भी हैं। बिहार को प्राचीन काल में सत्ता, विद्या और संस्कृति की धुरी माना जाता था।

रामशिला पहाड़ी

रामशिला पहाड़ी बिहार के टॉप हिल स्टेशनों में से एक है। यह गया के विष्णुपद मंदिरों से मात्र 5 किमी. की दूरी पर स्थित है। ट्रेकिंग के बाद यहां पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। आसपास के लोग यहां पर हर वीकेंड को मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। रामायण काल में भी इस स्थान का जिक्र देखने को मिलता है। मान्यता है कि यहां पर भगवान राम ने इसी जगह पर अपने पिता दशरथ का पिंड किया था। जिस कारण यहां पर कई श्रद्धालू पिंडदान भी करने आते हैं। अक्टूबर से फरवरी के बीच का समय रामशिला पहाड़ी घूमने के लिए बेस्ट है।

गुरपा चोटी

गया के गुरपा नाम गांव के पास बसे गुरपा चोटी को स्थानीय लोग कुक्कुटपदगिरि के नाम से पुकारते हैं। गुरपा चोटी को एक पवित्र पर्वत शिखर माना जाता है। सुकून पाने के लिए यह जगह बेस्ट है। गुरपा चोटी खूबसूरत हिंदू मंदिरों और बौद्ध अवशेषों से घिरा हुआ है। साथ ही इस स्थान का अपना ऐतिहासिक महत्व है। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध के उत्तराधिकारी महा कश्यप ने इस पहाड़ी पर अपना ध्यान लगाया था। साथ ही मान्यता है कि अभी भी महा कश्यप बुद्ध के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रागबोधि

प्रागबोधी बिहार का एक पवित्र स्थान है। जिसे धुंगेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। बिहार में किरियामा गांव के पास स्थित प्रागबोधी सबसे ज्यादा देखे जाने वाला स्थान है। बताया जाता है कि यहां पर ज्ञान प्राप्त करने से पहले भगवान बुद्ध यहां पर रुके थे। यहां पर आप पहाड़ी के ऊपर कई प्राचीन स्तूपों को भी देख सकते हैं। गया शहर से देखने पर प्रागबोधी बेहद ही खूबसूरत लगता है। इसके अलावा ज्ञान की खोज में राजकुमार सिद्धार्थ ने यहां पर 6 वर्षों तक घोर तपस्या की थी। तब उन्होंने खाना-पानी भी छोड़ दिया था।

माहौल हो मददगार परीक्षा की तैयारी में

परीक्षा से कुछ दिन पहले व परीक्षाओं के दौरान बच्चों की जरूरतों को लेकर खास संवेदनशीलता बरती जानी चाहिये। जरूरी है कि इन दिनों में विद्यार्थियों को पढ़ने का अच्छा वातावरण प्रदान किया जाए। हालांकि हर समय ही परिवार व समाज की यह आवश्यक जिम्मेदारी है लेकिन परीक्षाओं के समय में इसकी उपेक्षा बिल्कुल नहीं की जा सकती। खास बात सिलेबस के टॉपिक को लेकर शंका समाधान, घर व आसपास का शांत माहौल, स्वास्थ्य का ख्याल और दिनचर्या को लेकर है। परिवार के सदस्यों के साथ ही गांव-नगर के नागरिकों व संस्थाओं का भी दायित्व है कि पढ़ने के अनुकूल वातावरण निर्मित हो।

स्कूल में क्या करें

स्कूल वह स्थान है, जहां बच्चे अध्यापकों के मार्गदर्शन में उपयुक्त वातावरण में पढ़ाई करते हैं। परीक्षा में सफलता के लिए अध्यापकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थी अपने सिलेबस की दोहराई करें। अध्यापक विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करें। विद्यार्थियों को अपना टाइम-टेबल बनाकर स्व-अध्ययन के लिए प्रेरित करें। क्योंकि परीक्षाओं के दिनों में बच्चों को खुद ही तैयारी करनी होती है, इसलिए तैयारी में विद्यार्थी का आत्मनिर्भर हो जाना जरूरी है। हो सकता है स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा भी आयोजित हो चुकी हो। विद्यार्थी परीक्षा के लिए निर्धारित स्वरूप में प्रश्न-पत्र हल करने का अभ्यास करें। ऐसे में विद्यार्थियों को स्कूल व कक्षा पर निर्भर रहने की बजाय खुद ही तैयारी की योजना बना लेनी चाहिए। कोई दिक्कत होने पर विद्यार्थी अध्यापक से बात करें। वहीं अध्यापक बच्चों का मार्गदर्शन करें। वहीं स्कूल के अध्यापकों को विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी के लिए अभिभावकों का भी मार्गदर्शन करना चाहिए।

घर का वातावरण

जिन घरों में बच्चे परीक्षा की तैयारी कर रहे होते हैं, वहां सभी चीजों पर विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। पढ़ने के लिए हवादार कमरे का प्रबंध हो तो बेहतर है। घर में कमरे अधिक नहीं हैं तो कमरे का एक हिस्सा ऐसा हो, जिसमें बच्चे

बैठ कर परीक्षा की तैयारी कर सकें। उस स्थान पर सभी लोगों की आवाजाही न हो। बच्चों की समय-सारिणी बनाने में अभिभावक मदद कर सकते हैं। यदि वे इसमें मदद न कर सकें तो विद्यार्थी द्वारा बनाई गई समय-सारिणी से अवगत अवश्य हों और विद्यार्थी की तैयारी के समय पढ़ने योग्य वातावरण बनाने में सहयोग करें। घर में कोई शोर न करे। टीवी आदि न चलाया जाए। चलाना अनिवार्य हो तो बहुत कम आवाज में, जिससे विद्यार्थी को कोई परेशानी न हो। पढ़ने को बैठने की अच्छी व्यवस्था हो। बेशक मेज-कुर्सी आदि का प्रबंध न हो पाए, लेकिन नीचे बैठने की भी उपयुक्त व्यवस्था हो।

पौष्टिक और हल्का भोजन

परीक्षाओं के दिनों में भोजन में पौष्टिकता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। पौष्टिक भोजन यानी अच्छा व हलका भोजन जो बच्चे के शरीर को ऊर्जा प्रदान करे, जल्दी हजम हो जाये और सुस्त न बनाए। परिजनों द्वारा परीक्षाओं के दिनों में फास्ट फूड व जंक फूड न खाया जाये क्योंकि यदि परिवार का कोई सदस्य ऐसे भोजन का सेवन करेगा तो विद्यार्थी भी इसके लिए लालायित हो सकता है। विद्यार्थी भी ऐसे सभी प्रलोभनों से बचें। घर में बना हल्का भोजन ही हमें स्वस्थ रख सकता है। पढ़ने के साथ-साथ हल्का व्यायाम या सैर आदि भी आवश्यक है ताकि हम स्वस्थ रहें।

समाज-शासन का भी दायित्व

हर बच्चे की शिक्षा के अनुकूल वातावरण निर्माण में पंचायतों, नगर निकाय व आम जन सभी की भूमिका है। यदि पंचायतें व नगर निकाय अपने-अपने क्षेत्र में पुस्तकालयों की व्यवस्था करवा दें। जरूरत हो तो अच्छी किताबों की व्यवस्था कर दें, तो हमारे बच्चे पीछे रहने वाले नहीं हैं। वहीं धार्मिक स्थानों में लाउड-स्पीकरों को परीक्षाओं के दिनों पर बेहद कम आवाज में बजाया जाए। गली-मोहल्लों में डीजे चलाए जाने पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। पढ़ने व परीक्षाओं की तैयारी की जो भी बाधाएं हैं, उन्हें दूर किया जाए।

खास ख्याल परीक्षा के दिनों में

परीक्षाओं के दौरान बच्चों को समय पर परीक्षा केन्द्र भेजना अभिभावकों का दायित्व है। लेकिन यदि कोई बच्चा परीक्षा केन्द्र तक जाते हुए किसी वजह से जाम आदि में फंस गया है तो उसे तुरंत वहां तक छोड़े जाने का प्रबंध करने में लोगों को आगे आना चाहिए। बेहतर होगा कि विद्यार्थी परीक्षा शुरू होने से करीब 40 मिनट पहले परीक्षा केन्द्र पर पहुंच जाएं। बच्चे से तीखी आवाज में न बोलें तो बेहतर है। उसे मोबाइल व टैब आदि से दूर रखें। ये बच्चों की ही परीक्षाएं नहीं होती, एक तरह से तो अध्यापकों का भी इम्तिहान है। पूरे समाज की परीक्षाएं हैं। यदि बच्चे सफल हुए तो सारा समाज आगे बढ़ेगा।

संस्कारों को सींचने से खिलेगा बचपन

पिछले कुछ दिनों में कई ऐसी खबरें आयीं जो बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती हैं। ये बता रही हैं कि देश की भावी पीढ़ी यानी हमारे बच्चे जिन स्थितियों से गुजर रहे हैं वह चिंता पैदा करने वाली हैं। ये खबरें बच्चों के बीच बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति को बयां कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर दिल्ली के एक स्कूल में कुछ छात्रों ने मिलकर शिक्षक को चाकू से गोद दिया क्योंकि शिक्षक ने उन्हें यूनिफार्म के लिए डांटा था। इसी तरह साउथ दिल्ली में 15 साल के दो लड़कों ने मोबाइल के लिए 18 साल के एक लड़के की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। गाजियाबाद में तेरह साल के बच्चे ने छह साल की एक बच्ची की ईंटों के वार कर हत्या कर दी।

प्रवृत्ति की वजह

ये खबरें सवाल उठा रही हैं। ऐसी वारदातों के स्रोत पर सोचने को मजबूर कर रही। आखिर एक बच्चे के कोमल मन में हिंसा जैसे क्रूर विचार कैसे आ रहे, कहां से आ रहे। जवाब एकदम साफ है- अपने घर से, स्कूल से, पास-पड़ोस से। नैसर्गिकता से दूर लालन-पोषण के पूरे कृत्रिम परिवेश से। शिक्षा के यंत्रवत तरीके और भौतिकवाद से उपजी जीवनशैली से।

गैजेट्स का दखल

आज हमारे बच्चे पूरी तरह

टीवी, मोबाइल, लैपटॉप और विभिन्न उपकरणों से सजी कृत्रिम दुनिया में जीते हैं। घर-घर में बच्चों के हाथ में मोबाइल फोन है जिस पर हर तरह की हिंसा ,रील्स, वीडियो गेम्स फिल्म की शक्ल में मौजूद हैं। जहां मनोरंजन के नाम पर वल्गरिटी परोसी जा रही है। बच्चा किसी भी समय मोबाइल में उपलब्ध वयस्क कन्टेंट या क्राइम थ्रिलर देख सकता है।

संवेदनाओं की दरकार

दलील दी जा रही कि यह दुनिया तर्क, विज्ञान व सूचनाओं पर आधारित है। लेकिन सच मानें तो इस दुनिया में बस कल्पनाविहीन सृजनात्मकता पर जोर है। या यूं कहें कि होड़ है। जबकि सृजन के मोती तो कल्पना के सागर से निकलते हैं। ऐसे में इस दुनिया का स्वाभाविक हश्र ही है कि यहां भावनाएं विकसित करने की संभावनाएं भी दिनोदिन क्षीण हो रही हैं। हर दिन कुछ ऐसा हो रहा है जो हमारी मरती संवेदनशीलता का परिचायक है। तो फिर यहां जीने वालों से संवेदनशील रहने की अपेक्षा कैसे करें।

प्रकृति की गोद में शिक्षा

बच्चों की दुनिया में कहीं कोई नैसर्गिकता नहीं है। उसके आसपास कोमल भावनाएं जगाने वाले जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, नदी, पहाड़ों, झरनों, परिवार और साथ खेलने वाले बच्चों की कमी है। जबकि रवींद्रनाथ टैगोर कहते थे कि बच्चों का सम्पूर्ण मानसिक और शारीरिक विकास प्रकृति की गोद में ही संभव है। इस कथन के पीछे बच्चों के मन में भावनाएं और नैतिकता का भाव भरने का विचार छिपा था। एक बालक प्रकृति से उदारता-कोमलता सीखता है।

पारिवारिक परिवेश

पारिवारिक परिवेश में आये बदलावों का भी बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है। पहले के समय बच्चों पर मां-बाप की कड़ी निगरानी होती थी। उनका अधिकतर समय परिवार के सदस्यों के साथ बीतता था। पिता या दादा का डर होता था। उन्हें प्यार भी भरपूर मिलता था और गलती करने पर डांट भी।

जीवन शैली

बच्चों के हिंसक होने की एक और वजह आधुनिक जीवन शैली है। निरंतर छोटे होते परिवार, मां-बाप दोनों का वर्किंग होना, पैसे का रुतबा दिखाना, समाज से कटाव और बढ़ता अकेलापन जैसी कई वजहें हैं जो बच्चों को गलत दिशा में मोड़ने का काम करती हैं। हिंसा किसी भी रूप में बच्चे में प्रवेश कर सकती है। फिर वही हिंसा उसमें उत्तेजना भरती है और उसे समाज विरोधी कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। फिर भी यह हताश होने का नहीं बल्कि संभलने का वक्त है। अभी भी वक्त है कि हम अपने बच्चों की परवरिश कर उन्हें तेज दिमाग वाला रोबोट बनाने की बजाय संवेदनशील इंसान बनाएं।

जीवनशैली में सुधार से कैंसर की हार

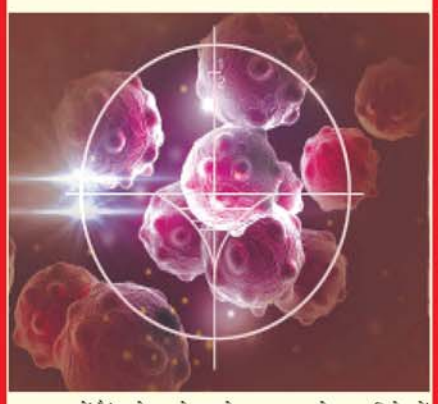

भारत में कैंसर के बढ़ते मामले आम जनता के साथ विशेषज्ञों के लिये भी चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। टाटा मेमोरियल कैंसर रिसर्च इस्टीच्यूट मुबंई के मुताबिक, हर साल देश में 10 लाख से लेकर 13 लाख तक मामले कैंसर मरीजों के सामने आते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, कैंसर सैकड़ों तरह का होता है और इनके लक्षण भी अलग-अलग होते हैं। जिक्र कैंसर के प्रमुख प्रकार ओरल कैंसर का ही करें तो बीते कुछ सालों में जिस रफ्तार से मुंह के कैंसर के मामले बढ़े हैं, उसने इसके विभिन्न कारणों पर और ज्यादा गौर करने की जरूरत पर बल दिया है।

आहार-विहार की विकृतियां

देश में सबसे ज्यादा मामले ओरल कैंसर के सामने आ रहे हैं। जिसमें से अधिकतर का कारण तंबाकू या बीड़ी-सिगरेट का सेवन है। इसके अलावा खराब डाइट का कैंसर के बढ़ने के कारणों में एक बड़ा योगदान है। वहीं तेजी से शहरीकरण व सुस्ती भरा लाइफस्टाइल ब्रेस्ट कैंसर को बढ़ावा दे रहा है। इसी के साथ देर से शादी और देर से बच्चे पैदा करना या बर्थ कंट्रोल जैसे चलन हावी हुए।

राहत की बात

करीब 10 साल पहले सर्विक्स कैंसर के सबसे ज्यादा मामले महिलाओं में देखे जाते थे लेकिन हाईजीन और जागरूकता बढ़ने के बाद अब इन मामलों में कमी देखने को मिल रही है। दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में पीएचसी, ईएसआई अस्पताल खुलने और डॉक्टरी सेवाएं मिलने से भी मरीजों को वक्त रहते लक्षण पता चल जाते हैं। दूसरी तरफ पंचायतें, स्थानीय निकाय, आंगनवाड़ी और आशा वर्कर्स भी अवेयरनेस फैलाने में बड़ी भूमिका अदा कर रहे हैं। मुंबई के टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल और डीईए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर व नोडल ऑफिसर डॉक्टर गणेश कहते हैं कि 2012 के बाद महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर सबसे कॉमन कैंसर के तौर पर देखने को मिल रहा है।

आनुवंशिक और मोटापे के जोखिम

ब्रेस्ट कैंसर के मामले में डॉ. गणेश फैमिली हिस्ट्री यानी आनुवंशिकता पर जोर देते हुए इसे बड़ा कारण मानते हैं। वे करीब 40 साल से कैंसर रिसर्च से जुड़े तथ्यों पर काम कर रहे हैं। डॉ. गणेश के मुताबिक, जीन म्यूटेशन, देर से संतान होना या जल्दी मेनोपॉज होना व मोटापा इसके बड़े कारण हैं। दरअसल, मोटापे के कारण ब्रेस्ट डेंसिटी बढ़ने से कैंसर टिशूज बढ़ने का खतरा रहता है। वहीं बॉडी मास इंडेक्स बहुत मायने रखता है। क्योंकि हेल्दी व्यक्ति का बीएमआई 18.5-25 के बीच होता है। इससे ऊपर बीएमआई हो तो व्यक्ति मोटापाग्रस्त है और कैंसर का खतरा भी ज्यादा है। ओरल कॉन्ट्रसेप्टिव का देर तक इस्तेमाल भी खतरनाक है। कुछ लोग हारमोन रिप्लेसमेंट थैरेपी करवाते हैं। खासकर मेनोपॉज के बाद इस थैरेपी का सहारा लेते हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर का बड़ा कारण बनती है। बच्चे पैदा न करना व शराब का सेवन भी बड़े कारण हैं। वहीं नवजात को ब्रेस्टफीड न करवाने से ब्रेस्ट कैंसर के चांस और बढ़ जाते हैं।

रोग की जड़ें

मोटापा बढ़ाकर कैंसर का खतरा पैदा करने में हमारे खानपान व अन्य दिनचर्या की बड़ी भूमिका है। इसमें ज्यादा फैट वाली और रिच डाइट लेना शामिल है तो कोई व्यायाम न करना व वजन नियंत्रित न रखना भी शुमार है। दरअसल अपने लाइफस्टाइल को सुधार कर मोटापे से होने वाले कैंसर से तो बचा ही जा सकता है।

आज नगर मौ में विकास यात्रा में शामिल मुख्य अतिथि लाल सिंह आर्य जी ने 6 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यो के उद्घाटन व शिलान्यास किया तथा हितग्राहियों को हित लाभ के चेक विवरण किये।

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

इस मौके पर एसडीएम गोहद नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव जी मण्डल अध्यक्ष गोपाल कुशवाह जी जिला मंत्री फरेंद्र सिकरवार जी तहसीलदार महोदय जी मौ टी आई उदयभान सिंह यादव जी रघुवीर

पवैया जी उपाध्यक्ष पंकज कुशवाहा सहित सभी मोर्चो के अध्यक्ष सभी पार्षद गण अन्य पदाधिकारी एवं ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच का संचालन जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा भिंड रामाख्त्यार सिंह गुर्जर ने किया।

11 लाख ईनामी ओपन नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का 25, 26 फरवरी को भव्य आयोजन

अच्छी हैल्थ और फिटनेस के लिए प्रेरित युवा होंगे प्रेरित

भोपाल/लिराजपुर। अलिराजपुर में एतिहासिक फतेह क्लब मैदान पर ओपन नेशनल बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप कार्यक्रम होने जा रहा है।यह स्पर्धा महिला एवम पुरुष वर्ग में रखी गई है। इस आयोजन में मध्यप्रदेश के इतिहास की सर्वाधिक ईनामी राशि 11 लाख रुपए घोषित की गई है। इस ओपन चेंपियनशीप में देश का कोई भी खिलाड़ी भाग ले सकता है, किसी पर राज्य या एसोसीएशन का बंधन नहीं है आयोजन समिति के संरक्षक नागर सिंह चौहान तथा विशाल रावत ने बताया कि इस एतिहासिक चैंपियनशिप कार्यक्रम की भव्य तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि आसपास के खिलाडिय़ों को नेशनल चैम्पियनशिप में भाग लेने का सुअवसर भी इस स्पर्धा से प्राप्त होगा। समिति संयोजक भदु भाई पचाया तथा किशोर शाह कहा कि आसपास के राज्यों में इस स्पर्धा का प्रमोशन किया जा रहा हैं। इसके लिए विशेष वेबसाईट भी लांच की गई है। मार्गदर्शक नीरज सिंह पवार तथा सन्तोष परवाल %मकु भाई% ने बताया कि आयोजन के लाइव टेलीकास्ट को करीब 50 लाख लोग देखे उसकी भी विशेष व्यवस्था की गई है।आयोजक मंडल अध्यक्ष विक्रम सेन ने बताया कि इस शानदार स्पर्धा के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्रीय सांसद श्री गुमान सिंह डामोर, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त श्री माधो सिंह डावर, श्री मुकेश पटेल विधायक, श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान अध्यक्ष ज़िला पंचायत, श्री वकील सिंह ठकराला भाजपा नेता, श्रीमती शर्मी पचाया जनपद अध्यक्ष अतिथी होंगे, वही स्पर्धा समापन

दिवस पर मान. श्री राज्यवर्धन सिंह दत्तिगांव कैबिनेट मंत्री व जिला प्रभारी, श्री राघवेन्द्र सिंह कलेक्टर, श्री मनोज सिंह एसपी, श्री जयदीप पटेल प्रदेश मंत्री, श्री महेश पटेल कांग्रेस नेता, श्री ओम सोनी और श्री मुकाम सिंह किराड़ भाजपा नेता अतिथि के रूप में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।समिति सदस्य झेन चंदेरी तथा तिलक सेन ने बताया कि स्पर्धा के समस्त सहभागी खिलाडियो को शानदार मैडल, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट निश्चित तौर पर प्राप्त होंगे, साथ ही सभी विजेता खिलाड़ियों को शानदार नगद पुरस्कार राशि तथा चैंपियन ट्रॉफी भी प्राप्त होगी।आयोजन समिति सदस्य महेश विश्वकर्मा, केशव भव तथा डा. आबिद खान ने बताया की पवन पुत्र क्लासिक खिताब के लिए नैशनल चैम्पियनशिप में फिजिक स्पर्धा भी आयोजित की गई हैं जो पुरुष वर्ग में जुनियर तथा सीनियर स्तर पर होकर तीन हाइट वर्ग में रखी गई हैं।जबकि महिला ओपन वर्ग में बॉडी बिल्डिंग तथा फिजिक माडल प्रतियोगिता होना हैं। कार्यक्रम विवरण अनुसार 25 फरवरी शनिवार 2023 को जूनियर बॉडीबिल्डिंग चैंपियन शिप, जूनियर चैंपियन ऑफ चैंपियन, जूनियर फिजिक चैंपियन शिप और वूमेन बॉडीबिल्डिंग तथा फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप होगी।सह आयोजक आकाश आर्य तथा गुलाम बाबा ने बताया कि स्पर्धा वाले दिन भी दोपहर 1 बजे तक फतेह क्लब मैदान पर खिलाड़ी इंट्री कर इसमें भाग ले सकते हैं। समिति सदस्य श्याम मेलाना और दीप शाह स्पर्धा में शामिल सभी खिलाड़ियों के रुकने तथा भोजन की उत्तम व्यवस्था में लगे हैं। उपरोक्त जानकारी समिति प्रवक्ता आशुतोष पंचोली ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

लहार समेत 200 सीट जीतेगी भाजपा-आशुतोष तिवारी

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- गुरुवार को दबोह मंडल के वरिष्ठजनों व कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया।जिस दौरान बैठक में शामिल होने कैबिनेट मंत्री आशुतोष तिवारी दबोह पहुंचे।वही उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया भी मौजूद रहे।बैठक का शुभारंभ सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया।तदोपरांत उपस्थित पदाधिकारियो का स्वागत कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।बैठक में जिलाध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया ने कहा कि मिशन 2023 के चलते हर कार्यकर्ता अपनी सक्रियता बनाये रखे और हर कार्यकर्ता जमीनी स्तर से एकजुट होकर काम करे तभी मिशन 2023 का 200 पार पूरा होगा।उपस्थित कैबिनेट मंत्री आशुतोष तिवारी ने कहा कि हर बूथ,हर मंडल का कार्यकर्ता सक्रिय रहकर फील्ड में कार्य करें और ग्रामीण स्तर पर वरिष्ठजनों से जाकर भेंट करें।साथ ही भाजपा की महत्वाकांक्षी योजनाओ की जानकारी हर हितग्राही तक पहुंचाए और कोशिश करें कि योजना में आने वाला हर नागरिक लाभान्वित हो।वहीं श्री तिवारी ने कहा कि लहार की जनता 35

वर्षो से कॉग्रेस का अत्याचार सहती आ रही है पर अब यह अत्याचार सहा ही जायेगा।हर छोटे से छोटा सक्रिय कार्यकर्ता लहार को मिशन 200 पार में जोडने का कार्य करे तो निश्चित ही हम आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव में लहार समेत 200 सीट भाजपा के खाते में ला सकेंगे।वहीं उन्होने पार्टी की सँगठात्मक चर्चा करते हुए मंडल अध्यक्ष दबोह की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर करते हुए दबोह-आलमपुर पूर्व मंडल अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा को सहयोग करने के लिए कहा।बैठक में कैबिनेट मंत्री आशुतोष तिवारी के साथ जिलाध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया,योगेंद्र सिंह(पप्पू)उपेंद्र राजौरिया,नवल किशोर मिश्रा,हरेंद्र सिंह सिकरवार,मनोज शास्त्री आदि मौजूद रहे।बैठक का आयोजन महामंत्री राव साहब गुर्जर के निबास पर आहूत हुई।वहीं कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट अजमेर सिंह कौरव ने किया तथा अंत मे आभार व्यक्त महामंत्री राव साहब गुर्जर के द्वारा किया गया।

श्रीमद भागवत में शामिल होने पहुंचे आशुतोष तिवारी-दबोह के प्रसिद्ध मंदिर माँ रेहकोला देवी मंदिर के परिसर में चल रही श्री मद भागवत में शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री आशुतोष तिबारी पहुचे।जहां उन्होंने भागवताचार्य श्रद्धेय साधना बघेल से आर्शीवाद लिया।इस दौरान उनके साथ जिलाध्यक्ष देवेन्द्र नरवरिया व मण्डल महामंत्री राव साहब गुर्जर मौजूद रहे।यहां बता दें कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 18 फरवरी 2022 से 24 फरवरी तक किया जा रहा है।जिसमे यजमान श्रीमती अंगूरी देवी-भगवान दास बघेल हैं।

मुरैना के जौरा में भीषण सड़क हादसे में घर से 1 किमी दूर 3 सगे भाई बहनों का निधन

ग्वालियर से एक शादी समारोह से लौट रहा था परिवार

उमाकान्त शर्मा संबाददाता चम्बल संभाग

मुरैना। जिले के जौरा में आज सुबह कार और ट्रक की आमने सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो गंभीर घायल हो गए। दर्दनाक हादसा जौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एमएस रोड पर रजोधा हाउस के सामने हुआ। घटना सुबह 5 बजे की बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक, ट्रक तूरी भूसे से भरा था और सबलगढ़ से मुरैना की ओर जा रहा था वहीं कार सवार ग्वालियर से शादी कर अपने घर जौरा लौट रहे थे। लेकिन घर से महज 1 किलोमीटर पहले ही सभी हादसे का शिकार हो गए। कार में ड्राइवर के अलावा एक ही परिवार के दो भाई एक बहन सहित चार लोग सवार थे, जिनमें ऋषभ शर्मा सहित तीन लोगो की मौत हो गई।गंभीर रूप से घायल भाई बहन छोटू व नेहा को प्राथमिक चिकित्सा के बाद मुरैना इलाज के लिए भेजा गया है। दुर्घटना के बाद रोड पर जाम लग गया। पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर आवागमन शुरू कराया। घटना को लेकर पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

मुणोत ने भगवान की पूजा-अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का किया शुभारंभ

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू।श्री शनेश्वरा पुण्यक्षेत्रम चामराजपेट के 28 में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान की पूजा अर्चना कर अन्न दान कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा बड़ा ही सौभाग्यशाली हूं मैं कि मेरा जन्म जैन कुल में हुआ और मुझे गर्व है कि मैं हिंदू हूं. सोमशेखर मंजूनाथ एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुणोत को सम्मानित किया

भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला दहन किया

कमलनाथ द्वारा मप्र को मदिरा प्रदेश बोलकर प्रदेश वासियों का अपमान किया है! इसको लेकर आज जिला केंद्रों पर विरोध

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व की आव्हान पर कमलनाथ द्वारा मप्र को मदिरा प्रदेश बोलकर प्रदेश वासियों का अपमान किया है! जिसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय के परेड चौराहे पर कमलनाथ का पुतला दहन कर विरोध और प्रदेश की जनता से माफी मांगने की मांग की।भाजपा कार्यकर्ता कमलनाथ का पुतला लेकर शहर के मुख्य मार्गो से रैली निकालकर परेड चौराहे पर पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनके पुतले को मुखाग्नि दी।पुतला दहन कार्यक्रम में मीडिया से चर्चा करते हुए जिला कार्यालय प्रभारी आरबी सिंह बघेल एडवोकेट ने कहा कि कमलनाथ अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित कर रहे हैं कि मध्यप्रदेश को मदिरा कहकर उन्हें प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए कि मध्य प्रदेश के बारे में भारतीय जनता पार्टी ऐसे बयान को बर्दाश्त नहीं करेगी और उन्होंने अपने 15 माह की कांग्रेस की सरकार में सर्वप्रथम प्रदेश के लोगों को दारू बेचने के लिए लाइसेंस दिए और हमारी मातृशक्ति को दारू की दुकानें खोलने की अनुमति दी तो सबसे पहले वह

अपने गिरेबान में झांक कर देखें कि हम कितने स्वच्छ और ईमानदार हैं तब किसी के प्रदेश के बारे में बात करना चाहिए प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए शराब की नीति बदलकर लोगों को प्रतिबंधित किया है और कुछ लोगों के लाइसेंस भी निरस्त कर रहे हैं यह मध्यप्रदेश अध्यात्मिकता से जुड़ा हुआ है ।और प्रदेश की जनता को इस प्रकार अपमानित करने का अधिकार कमलनाथ को नहीं। परेड चौराहे पर पुतला दहन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी अपना विरोध प्रकट कर रही है। भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अतुल रमेश पाठक, सुभाष मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदोरिया टीपू, वनखंडेश्वर मंडल अध्यक्षअमित जैन, महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष शेरू पचौरी ने कमलनाथ की घोर शब्दों में निंदा करते हुए अपनी मानसिकता को बदलने को कहा कि कमलनाथ मध्य प्रदेश जनता को अपने इस मद्रा कहकर अपमानित करने का काम किया है।पुतला दहन कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष आभा जैन, जिला मंत्री श्रीमती रश्मि खटीक, सूरज बरुआ, राजीव बरुआ, श्याम किशोर दीक्षित, मोनू नरवरिया, शेखर खटीक,प्रतीक पांडे,कामता सिंह कुशवाह,प्रशांत सोनी,विधायक प्रतिनिधि सुनील बाल्मिक,योगेश दीक्षित,वीरेंद्र सिंह यादव,लवकुश सिंह परिहार,गोपाल सिंह राजावत, प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे

कमलनाथ ने मप्र को मदिरा प्रदेश बोलकर प्रदेशवासियों का अपमान किया : राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया

भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से कहा मानसिकता को बदल कर प्रदेश की जनता से माफी मांगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया एवं पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा मध्य प्रदेश को मदिरा बोलकर प्रदेश की सम्माननीय जनता का अपमान किया है,जिसके लिए भाजपा कड़े शब्दों में निंदा करती है।नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया एवं पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्मरणीय मध्य प्रदेश बनाने के लिए अपनी गरीब कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक के प्रदेश के हर व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं वहीं कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ अपनी सारी की मर्यादाओं को तोड़ कर प्रदेश को मदिरा बोलकर अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित किया है। यह उनका अभिमान है मध्यप्रदेश को इस तरह की भाषा बोल कर प्रदेशवासियों को अपमानित करने का कार्य कर रहे हैं।राज्यमंत्री श्री भदौरिया एवं पार्टी जिला अध्यक्ष श्री नरवरिया ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेश जिस प्रदेश को ऐसे शब्द बोल कर सारी मर्यादाओं तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि यह मध्य प्रदेश वह राज्य है जहां सर्व समाज के लोग गांव और शहर जो झोपड़ी गरीब तक के लोग निवास करते हैं उनके बारे में इस प्रकार की आज संविधानिक भाषा बोल कर उन्होंने प्रदेश को तोड़ने का काम किया है।राज्यमंत्री श्री भदौरिया एवं पार्टी जिला अध्यक्ष श्री नरवरिया ने कहा कि यह वह मध्यप्रदेश है जो कि आध्यात्मिकता की ओर से भी जुड़ा हुआ है और मध्य प्रदेश को विभिन्न

क्षेत्रों में कलाओं के माध्यम से भी स्थापित है और कांग्रेस के नेता अगर इस प्रकार की भाषा को बोलकर उन्होंने मध्यप्रदेश के साथ अपमानजनक टिप्पणी कर गरिमा को गिराने का काम कर दिया है अपना सारा संतुलन खो बैठे हैं और कांग्रेस की संस्कृति में हमेशा से झूठ बोलने की आदत सी पड़ गई है।उपयुक्त नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन के माध्यम से चेतावनी देकर उनको समझा इस दे रही है कि प्रदेश के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी करने का आपके पास कोई अधिकार नहीं है।

मालनपुर उद्योग क्षेत्र में शराब बेचते हुए युवक गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान अतिपूलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के निदेर्शन में चलाए जा रहे हैं जुआ सट्टा अवैध शराब रोका अभियान के तहत एस डी ओ पी गोहद सौरव कुमार के मार्गदर्शन में मालनपुर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बलवंत सिंह यादव सर्चिंग के दौरान मालनपुर तिलौरी तिराहे पर अवैध शराब बेचते हुए युवक गिरफ्तार मालनपुर थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि विधाराम पाल पुत्र धडुराम पाल उम्र 52 साल निवासी ग्राम तिलौरी जोकी अवैध तरीके से शराब बेचते हुए पकड़ा गया जिससे पास से 20 अवैध शराब के देसी क्वार्टर

प्लेन मदिरा जप्त किए गए जिस पर शराब

बेचते का वैध लाइसेंस न होने पर 34 आबकारी एक्ट मूकदमा दर्ज किया गया

जुआ खेलते हुए चार दबोचे- समता नगर बंद पड़ी हवेली के चबूतरा पर हर जीत का दाओ लगाते चार पकड़ा जिसमें भजनलाल पुत्र सूबा लाला उम्र 44 साल निवासी समता नगर केदार पुत्र मनीराम जाटव उम्र 37 साल वार्ड नंबर 13 पुरानी बस्ती मालनपुर शराफत खान पुत्र आसेखान उम्र 46 वर्ष निवासी पुरानी मस्जिद युनूस खान पुत्र सौरभ खान उम्र 24 वर्ष निवासी पुरानी मस्जिद मालनपुर से जुआ खेलते हुए 1 की गड्डी ?990 जप्त किए उक्त कारवाही में प्रधान आरक्षक मनजीत सिंह सरदार, आरक्षक गजेन्द्र सिंह सिकरवार, आरक्षक पंकज तोमर,आरक्षक सोनू माझी, सराहनीय भूमिका रही

मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र धरातल पर जाकर कर रहे है सर्वे का कार्य

जिला मुरैना की सी एम ऑफिसर कु मनाली शर्मा के मार्गदर्शन में विकासखंड जौरा की ग्राम पंचायत नरहेला ग्राम नरहेला में मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में घर-घर जाकर ग्रामीणों को संबल योजना,आयुष्मान योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण और पीएम आवास योजना,पी एम किसान सम्मान निधि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न कराया तथा उनकी परेशानियों व आवश्यकताओं को विस्तार से जाना और उनको सुना। हाल ही मे नियुक्त हुये मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र जो की पंचायतो मे जाकर लोगो की गाँव क्षेत्र मे आने बाली तीन अवश्यकताओं को जानने का कार्य कर रहे है जिनमे जन सेवा मित्र प्रशांत शर्मा, रविन्द्र कुशवाह, हेमांचल शर्मा, रंजीत विलगैया, रूपकिशोर कुशवाह, विपिन शर्मा, काजल राजपूत, सक्षम राजपूत, प्रांशुल गुप्ता, अंकुर दुबे, राहुल शर्मा, दुर्गेश, आकाश, विकास और पूजा जाटव अपने अपने क्षेत्र में कार्यरत हैं योजनाओं से जागरूक करने का कार्य भी कर रहे है।

पिछोर में मनाई गई राष्ट्रीय संत गाडगे जी महाराज की जयंती.

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर में बड़े धूमधाम से रजक समाज द्वारा स्वच्छता के प्रथम जनक एवं समाज सुधारक संत गाडगे जी महाराज जी की जयंती बड़ी ही धूमधाम से मनाई गई इस अवसर पर रजक समाज द्वारा नगर पिछोर में एक पदयात्रा निकाली गई जिसमें रजक समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए एवं राष्ट्रीय संघ गाडगे महाराज जी के विचारों को समाज में फैलाया महाराज की जयंती में रजक समाज के वरिष्ठ नेता आदरणीय श्री किशन लाल संगठन मंत्री श्री लेबन सिंह रजक मप्र प्रदेश उपाध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह रजक परगना महासचिव श्री दयाराम रजक ब्लॉक अध्यक्ष श्री कृष्णपाल रजक ब्लॉक उपाध्यक्ष श्री उमेश रजक सचिव श्री रवेन्द्र रजक नगर अध्यक्ष मोनू रजक नगर अध्यक्ष श्री नरेन्द्र रजक ब्लॉक अध्यक्ष खनियधना श्री वीर सिंह रजक बहुजन संमाज पार्टी के नेता आदरणीय श्री सहदेव जी आदरणीय नेता जी श्री नंदकिशोर जी ग्राम समिति अध्यक्ष श्री महेंद्र रजक श्री रानू रजक श्री उमेश रजक श्री रामकुमार रजक श्री प्रभुदयाल रजक श्री इंद्र रजक श्री बीरेंद्र रजक श्री संतोष रजक सेक्टर अध्यक्ष , श्री दीपक रजक श्री हरगोविंद रजक श्री नीरज रजक श्री गजेंद्र रजक श्री शिसपाल रजक श्री राहुल रजक श्री मुन्ना रजक श्री सदाराम रजक श्री शोभाराम रजक सैकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे

संपूर्ण शिवपुरी जिला साइलेंस जोन घोषित बिना अनुमति नहीं बजा सकेंगे डीजे और माइक, रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक नहीं मिल सकेगी अनुमति

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विद्यार्थियों के लिए परीक्षा की तैयारी हेतु अनुकूल वातावरण को दृष्टिगत रखते हुए एवं सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशानुसार लाउड स्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रवीन्द्र कुमार चौधरी ने उक्त निर्देशों के अनुक्रम में संपूर्ण शिवपुरी जिला को साइलेंस जोन घोषित किया है। इस दौरान विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।जारी आदेश के तहत शिवपुरी जिला अंतर्गत वार्षिक परीक्षा वर्ष 2023 को दृष्टिगत रखते हुए राजनैतिक, सार्वजनिक, वैवाहिक, धार्मिक एवं अन्य कार्यक्रमों में लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे बैंड के अनियंत्रित उपयोग से होने वाली जन परेशानी, ध्वनि प्रदूषण व शांति व्यवस्था के हित में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 के अंतर्गत 22 फरवरी से आगामी आदेश तक सम्पूर्ण शिवपुरी जिले की राजस्व सीमाओं को कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र (सायलेंस जोन) घोषित किया जाता है। इस दौरान विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।उक्त अधिनियम की धारा 2 (घ) के अंतर्गत शिवपुरी जिले में पदस्थ समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार एवं अतिरिक्त / नायब तहसीलदारों को उनके मुख्यालय क्षेत्रांतर्गत उक्त अधिनियम के तहत विहित प्राधिकारी घोषित किया जाता है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में राजनैतिक, सार्वजनिक, वैवाहिक, धार्मिक एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे बैण्ड आदि के प्रयोग विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। आम सभा, जुलूस एवं प्रचार कार्य हेतु लाउड स्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग की अनुमति सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक दी जा सकेगी। रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे के बीच किसी भी स्थिति में अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। बिना अनुमति के लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे बैण्ड का उपयोग करने पर या अनुमति के निर्दिष्ट अवधि के पश्चात् लाउडस्पीकर या संबंधित उपकरण के उपयोग की दशा में संबंधित उपकरण जप्त कर लिये जाएंगे। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरूद्ध मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 एवं भारतीय दंड विधान 1860 की धारा 188 के अंतर्गत तथा अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेकर अपना डिपार्टमेंट स्टोर खोलेंगी पूनम

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आत्मनिर्भर म.प्र.के तहत बेरोजगार युवाओं को स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करने के लिए म.प्र.शासन द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना संचालित है। जिसके अंतर्गत बिना किसी सिक्योरिटी एवं गारंटी के आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त योजना का लाभ लेकर शिवपुरी शहर के ग्वालियर बायपास निवासी 38 वर्षीय पूनम पत्नि आनंद गुप्ता ने स्वयं की डिपार्टमेंटल स्टोर प्रारंभ करने हेतु ऋण प्राप्त किया है।पूनम को बैंक के माध्यम से योजना की जानकारी मिली। उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र शिवपुरी से संपर्क कर डिपार्टमेंटल स्टोर के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा शिवपुरी से पूनम को 4.50 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ है। मुख्यमंत्री उदयम क्रांति योजना के तहत प्राप्त ऋण राशि से पूनम अपनी स्वयं की डिपार्टमेंटल स्टोर प्रारंभ करेंगी। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली योजना प्रारम्भ करने के लिए पूनम गुप्ता ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है।

जिले में आयोजित रोजगार दिवस कार्यक्रम में लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित

संवाददाता राकेश परिहार पिछोर

शिवपुरी शहर के गांधी पार्क स्थित कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय रोजगार दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री दर्जा नरेंद्र बिरथरे, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जिला अध्यक्ष राजू बाथम, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में अतिथियों ?दारा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं के तहत लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेक प्रदान किए गए।इस अवसर पर उज्जैन से मुख्?यमंत्री शिवराज सिह चौहान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिह चौहान ने वर्चुअली सम्?बोधन में कहा, कि लाडली बहना योजना के तहत हर पंचायत वार्ड में 5 मार्च से लाडली बहना योजना के फार्म भरने का काम शुरू होगा। लाड़ली बहना योजना महिलाओं की जिंदगी बदलने वाली योजना है। इसके तहत हर महिला को 12 हजार रुपये सालाना सरकार भुगतान करेगी।नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में संचालित की गई जनहितैषी योजनाएं बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। इस रोजगार दिवस कार्यक्रम के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को प्राप्त होने वाले ऋण से वे तो आत्मनिर्भर बनेंगे ही साथ में और लोगों को भी रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। प्रदेश सरकार महिला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी संपूर्ण रूप से कार्यरत है। राज्यमंत्री दर्जा नरेन्द्र बिरथरे कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही लाड़ली बहना योजना भी प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मिल का पत्थर सिद्ध होगी। इस योजना से मिलने वाली राशि को महिलाएं सब्जी, दूध सहित अन्य छोटी-माटी रोजमर्या की आवश्यकता की वस्तुओं के क्रम-विक्रय में उपयोग कर रहेंगी और उनका जीवन और सुलभ होगा। जिला स?तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन युवाओं को नये उद्योग स्थापित करने में मदद के लिए हर कदम पर उनके साथ खडी है। नये उद्यमियों को अनेकों सुविधाएं प्रदान की जा रही है। प्रारंभ में अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष राजू बाथम द्वारा भी संबोधित किया गया।रोजगार दिवस कार्यक्रम में उद्योग विभाग की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और मत्स्य पालन विभाग के केसीसी योजना के तहत स्वीकृति पत्र दिए गए। इसके अलावा जनजातीय कार्य विभाग की टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना और बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत पीएम निधि योजना और स्वरोजगार योजना के तहत स्वीकृति पत्र प्रदान किए

आज जिले के इन ग्रामों में निकाली जाएगी विकास यात्रा

संवाददाता राकेश परिहार पिछोर

शिवपुरी जिले के सभी ग्रामों एवं शहरी क्षेत्र के वार्डों में 25 फरवरी तक विकास यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। विकास यात्रा के दौरान निर्माण कार्य का भूमिपूजन और शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 फरवरी को विकास यात्रा जनपद पंचायत नरवर, जनपद पंचायत शिवपुरी, खनियांधाना एवं बदरवास के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रातः 8 बजे से विकास यात्रा निकाली जाएगी। जनपद पंचायत नरवर अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले में ग्राम बहगवा, धमधोली, कालीपहाडी, श्यामपुर, साबौली, दौलतगंज, बंगला, सरखडपुर, जैतपुर, जुझाई, पारागढ, नरवर, जनपद पंचायत शिवपुरी अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम टेंहटाहिम्मतगढ, सेंवडा, गोपालपुर, पाडरखेडा, महेशपुर, कांकर, ठेह रहेंगे। जनपद पंचायत खनियांधाना अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम वीरपुर, चिरोना, नगरेला, प्राणपुर, देवरी, सिनावलकलां, सिनावलखुर्द, दबियाकलां, कुम्हर्रा, नीमखेडा, कंचनपुर, दबियाजगन, रही, रूपनवारा, कुटावली, बदनपुर, किशनपुरा तथा जनपद पंचायत बदरवास अंतर्गत विकास यात्रा रूट में आने वाले ग्राम सिंघारई, अम्हारा, मथना, पगारा, रिन्हाय, इन्दार रहेंगे

नगर परिषद रन्नोद में मां गायत्री मिष्ठान भंडार जो ग्राहकों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है

बासी बूसी मिठाइयों का भंडारा व चार चार दिन के बासे बुसे कचोरी समोसे खाकर ग्राहक बीमारी का शिकार

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

रन्नौद, खबर नगर परिषद रन्नौद से है जहां पर होटल मालिक द्वारा वासा बूसा खाना ग्राहकों को दिया जा रहा है जिससे ग्राहक गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं कई दिन बीत जाते हैं लेकिन सड़ा हुआ माल ग्राहकों को ताजा कहकर खिलाते हैं जिससे ग्राहक बीमार होते जा रहे हैं प्रशासन को ऐसे रेस्टोरेंट पर विशेष ध्यान देना चाहिए जिससे रेस्टोरेंट में जाने वाले ग्राहक अपनी जान जोखिम में ना डाल सके क्योंकि रेस्टोरेंट मालिक द्वारा सड़ा बसा माल ग्राहकों को लिए खिलाया जाता है और कहा जाता है ग्राहकों से की अभी ताजा खाना है लेकिन पर्दे के पीछे कुछ और ही है चार चार दिन की गरम समोसे कचोरी को गर्म करके ग्राहकों को ठगा जा रहा है और अपनी जेब गरम की जा रही है आए दिन ग्राहक बीमार पड़ते जा रहे हैं संबंधित अधिकारियों द्वारा ऐसे रेस्टोरेंट ओं पर छापा मारकर हकीकत सामने लाना चाहिए जिससे ग्राहकों की जान बच सके होटल मालिक रामजीलाल बघेल द्वारा लोगों के लिए कचोरी समोसे में गुमराह किया जा रहा है जिसकी जांच पड़ताल कर संबंधित अधिकारी एक नया खुलासा कर सकते हैं होटल मालिक रामजी लाल बघेल केमिकल्स की मिठाईयां बनाते हैं जिससे ग्राहक बीमारी का शिकार बनते जा रहे हैं और कई ग्राहक तो अस्पतालों में पड़े हुए हैं ग्राहकों की जान से खिलवाड़ किसी भी समय हो सकती है कोई जानलेवा बीमारी मेवा मिष्ठान में मिलावट कई दिन बीत जाते हैं लेकिन मिठाइयां केमिकल्स की बनाई हुई ग्राहकों को दी जाती है नगर परिषद के लोगों का कहना है कि मां गायत्री मिष्ठान भंडार की जांच की जाए जिससे लोगों की जान बच सके क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र से लोग आते हैं और ग्रामीण लोग मां गायत्री मिष्ठान भंडार पर जाते हैं वहां पर मां गायत्री मिष्ठान भंडार मालिक रामजीलाल बघेल लोगों के लिए केमिकल्स की मिठाइयां का व्यापार करता है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में लोग बीमार पड़ रहे हैं

देवी चित्रलेखा के श्री मुख से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा 25 फरवरी को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगी

मां बड़ी देवी मंदिर परिसर में होगा आयोजन

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। स्थानीय बड़ी देवी मंदिर प्रांगण में आगामी 25 फरवरी 2023 से श्रीमद भागवत कथा देवी चित्रलेखा जी के श्रीमुख से प्रारंभ होगी। कथा आयोजक और कथा श्रोता श्रीमती सुमन देवी राय है। उक्त कथा का आयोजन स्वर्गीय श्री राजाराम साव जी की स्मृति में किया जा रहा है। उक्त कथा का प्रसारण देवी चित्रलेखा जी के फेसबुक पेज एवं यू ट्यूब चैनल के माध्यम से भी होगा। आयोजन की तैयारियां को लेकर मां बड़ी देवी मंदिर परिसर में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें प्रकाश शिवहरे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में देवी चित्र लेखा जी का पहला आगमन है। 25 फरवरी 2023 से 3 मार्च 2023 तक भागवत कथा देवी चित्र लेखा जी के मुखारविंद से आयोजित होगी। आयोजन के पूर्व में दिनांक 25 फरवरी 2023 की सुबह 10 बजे स्थानीय बूंदा बहु मंदिर घंटाघर से भव्य कलश यात्रा भी निकाली जाएगी जिसमें कलर्स धारी महिलाएं घोड़ा बग्गी एवं बैंड बाजों से सुसज्जित शोभायात्रा प्रारंभ होगी जो मां बड़ी देवी मंदिर में पहुंचेगी जहां पर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा प्रारम्भ होगी। समिति के राजीव राय ने बताया कि भागवत कथा के दौरान कृष्ण जन्म, फूलों की होली सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। समिति के सदस्य राजेश पाण्डेय और मोंटी रैकवार ने बताया कि शनिवार 25 फरवरी 2023 श्रीमद् भागवत कथा महात्म्य, 26 फरवरी 2023 प्रथम स्कंध भगवान के 24 अवतार एवं व्यास नारद जी संवाद, 27 फरवरी सुखदेव जी आगमन ध्रुव चरित अजमिल एवं प्रहलाद कथा, 28 फरवरी गजेंद्र मोक्ष समुद्र मंथन वामन अवतार राम जन्म एवं कृष्ण जन्म नंद उत्सव, 1 मार्च को श्री कृष्ण बाल लीलाएं एवं गोवर्धन लीला, 2 मार्च को महाराज मथुरा गमन एवं रुक्मणी विवाह, 3 मार्च को श्री सुदामा चरित्र भागवत सार हवन पूजन एवं भंडारा प्रसाद वितरण 4 मार्च 2023 को दोपहर 12ः00 से शाम 6ः00 बजे तक होगा। समिति के गोविंद राय ने दमोह जिले वासियों से देवी चित्र लेखा के मुखारविंद से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। इस मौके पर प्रकाश शिवहरे,राजीव राय साव, राजेश पाण्डेय, मोंटी रैकवार, रीतेश अवस्थी, राजा ठाकुर, गोविंद राय,प्रिंस राय सहित बडी संख्या में पत्रकारों कि उपस्थिति रही।

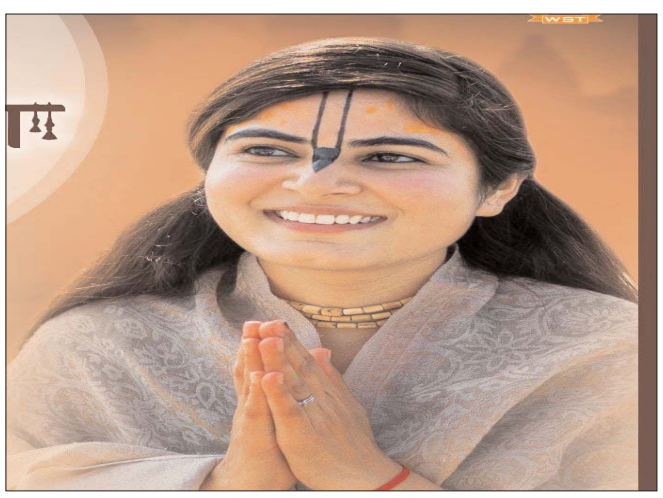

वित्तीय साक्षरता सीआरपी ट्रेनिग, आयोजित हुई

मुरैना 23 फरवरी 2023/आज क्रिसिल फाउंडेशन के तहत आइटीसी का कार्यक्रम जिसे सुनहरा कल के रूप में ब्रांड किया गया है इनके द्वारा आजीविका मिशन के तहत एफएल सीआरपी के रूप में कार्य कर रही एसएचजी की कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित की गई। एफएल सीआरपी को आइटीसी की ओर से प्रमोद चौरसिया प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा वित्तीय साक्षरता के 7 मॉड्यूल का रिफ्रेसर ट्रेनिंग दी गई। इन सभी सातों मॉड्यूल पर एफएल सीआरपी से विस्तृत सहभागी चर्चा की गई और ट्रेनिंग दी गई।ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य एफएल सीआरपी के माध्यम एसएचजी महिलाओ को बैंक से जो?ना,बैंकिंग प्रणाली का ज्ञान,बैंक से लोन प्रक्रिया,बीमा, पेंशन शासन की विभिन्न प्रकारकी योजनाओं के संबंध में जागरुक करना है।

अब रेत की निगरानी रात्रि में ड्रोन से होगी

मुरैना 23 फरवरी 2023/कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि रेत की निगरानी के लिए शासन से डॉन की अनुमति मिल गई है। अब रेत की निगरानी रात्रि के दौरान डॉन से की जाएगी जिसका कलेक्टर अंकित अस्थाना ने गुरुवार को चंबल पहुंचकर डॉन चलाकर अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में निर्देश डीएफओ को दिए। इस अवसर पर बीएफ स्वरूप दीक्षित तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

किले के ऊपर पैदल जाने के लिए बनेगा नया मार्ग पालिका बाजार की तर्ज पर बनेगा मार्केट :प्रद्युम्न सिंह

ग्वालियर7 किलागेट चौराहे को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जायेगा। किलागेट पर स्थापित थाने की भूमि पर दिल्ली के पालिका बाजार की तर्ज पर मार्केट विकसित की जायेगी। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विकास यात्रा के दौरान गुरूवार को किलागेट विकास के संबंध में जिला कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल सहित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही बुलाकर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों के साथ बैठक कर कहा कि ग्वालियर के ऐतिहासिक किले को देखने के लिये आने वाले पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए किलागेट चौराहे का सौंदर्यीकरण करने के साथ ही किलागेट के अंदर आकर्षक पार्क विकसित किया जाए। इसके साथ ही किले के ऊपर तक जाने वाले मार्ग का निर्माण भी शीघ्रता से हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में तय किया गया कि किलागेट पर स्थापित पुलिस थाने के लिये जमीन सेवानगर में आवंटित की जा चुकी है। नए थाने का निर्माण तत्परता से प्रारंभ किया जाए। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह से कहा कि किलागेट पर स्थित थाने की भूमि पर दिल्ली के पालिका बाजार की तर्ज पर मार्केट तैयार करने का प्रस्ताव भी तैयार करें और उसे अमलीजामा पहनाएँ। इसके साथ ही यातायात प्रबंधन के लिये किलागेट के यातायात को वन-वे करने की व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि फूलबाग से किलागेट तक निर्मित की गई सडक के दौरान जिन लोगों के मकान पूर्णतः टूट गए हैं उनके विस्थापन की व्यवस्था भी की जाए।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि किलागेट के दौरान किलागेट तक निर्मित की गई नई सडक पर स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था को और बेहतर किया जाए। इसके साथ ही किलागेट चौराहे पर ही लाईटिंग को और आकर्षक किया जाए। बैठक के दौरान कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि बैठक में तय किए गए बिंदुओं पर तत्परता से कार्य किया जायेगा। यातायात प्रबंधन का कार्य पुलिस विभाग के माध्यम से किया जायेगा। इसके साथ ही नए मार्केट का निर्माण एवं किले के ऊपर तक पहुँचमार्ग को व्यवस्थित करने का काम भी विभागीय अधिकारियों के माध्यम से शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने कहा कि सेवानगर में नए पुलिस थाने के लिये जमीन आवंटित हो चुकी है। नए थाने का निर्माण भी शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। इसके साथ ही पुराने थाने की भूमि पर मार्केट निर्माण का प्रस्ताव भी जिला प्रशासन के माध्यम से तैयार कराया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल ने बैठक में बताया कि नगर निगम के माध्यम से साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट एवं अन्य जो भी कार्य निर्धारित किए गए हैं उनको तत्परता से कराया जायेगा। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने किलागेट चौराहे के विकास के लिये आयोजित बैठक के पश्चात गूजरी महल स्थित म्यूजियम का भी अवलोकन किया। उनके साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी एवं निगम आयुक्त किशोर कान्याल भी मौजूद थे। गूजरी महल में स्थित म्यूजियम में रखी गई विश्व प्रसिद्ध शाल भंजिका को देखा। इसके साथ ही म्यूजियम में ग्वालियर संगीत के संबंध में विकसित की गई गैलरी का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने म्यूजियम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

221 हितग्राहियों को 509 लाख के ऋण-अनुदान स्वीकृति पत्र सौंपे गए

ग्वालियर 7 जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न स्वरोजगारमूलक योजनाओं के तहत जिले के 221 हितग्राहियों को लगभग 509 लाख रूपए के ऋण अनुदान स्वीकृति पत्र सौंपे गए। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव के मुख्य आतिथ्य में यहाँ कृषि महाविद्यालय स्थित सेंटर फॉर एग्रीबिजनेस इंक्यूवेशन एण्ड इंटरप्रेन्योरशिप में रोजगार दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। ज्ञात हो गुरूवार को प्रदेश स्तरीय रोजगार दिवस का आयोजन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में उज्जैन जिले के महिदपुर विकासखंड में हुआ। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह ने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना सहित मत्स्य उद्योग, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं बैंकों की मुद्रा योजना के तहत 221 हितग्राहियों को स्वरोजगारमूलक इकाई स्थापित करने के लिये ऋण - अनुदान स्वीकृति पत्र सौंपे। इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक राजेन्द्र सिंह, अग्रणी बैंक प्रबंधक सुशील कुमार व भारतीय स्टेट बैंक के जिला समन्वयक प्रवीण सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में इंक्यूवेशन सेंटर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदित्य सिंह ने स्टार्टअप के बारे में उपयोगी जानकारी दी। सरकार की विभिन्न स्वरोजगारमूलक योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बने हितग्राहियों ने अपनी सफलता की दास्तां भी इस अवसर पर सुनाई। इनमें मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से लाभान्वित अजहर अहमद, हरिओम यादव एवं सुश्री पल्लवी बरूआ शामिल हैं।

कलेक्टर ने ग्वालियर सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण

ग्वालियर । सिविल अस्पताल ग्वालियर में आने वाले मरीजों को और बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये रिशेप्शन काउंटर को आधुनिक बनाया जाए। काउण्टर पर आने वाले व्यक्ति की सभी समस्याओं का निदान तत्परता हो, ऐसा प्रबंधन किया जाए। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने गुरूवार को अस्पताल का निरीक्षण करते हुए यह निर्देश संबंधित चिकित्सकों और प्रबंधकों को दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा सहित चिकित्सक उपस्थित थे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने अस्पताल निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिए हैं कि अस्पताल में एक कंट्रोल रूम भी गठित किया जाए। इसके साथ ही कंट्रोल रूम में ही माइक सिस्टम स्थापित हो, जिसकी आवाज अस्पताल के कोरीडोर में सुनाई दे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा से अस्पताल संचालन और व्यवस्थाओं के सबंध में विस्तार से जानकारी ली।

शहर के ग्रामीण वार्डों की बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर सरकार का विशेष ध्यानःमंत्री कुशवाह

ग्वालियर 7 ग्वालियर नगर निगम के पुराने वार्डों की तरह शहर में शामिल हुए नए वार्डों (ग्रामीण वार्ड) में भी प्रदेश सरकार बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कर रही है। सरकार द्वारा नए वार्डों के सुनियोजित विकास के लिए अतिरिक्त धनराशि भी मुहैया कराई जा रही है। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने शहर के वार्ड-61, 62 व 63 की विभिन्न बस्तियों में विकास यात्रा के तहत आयोजित हुए जन संवाद कार्यक्रम में कही। उन्होंने इस अवसर पर लगभग 5 करोड 28 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मंत्री कुशवाह ने विकास यात्रा के दौरान कहा कि खुरैरी को विकास का सेंटर प्वॉइंट बनाकर क्षेत्र की अन्य बस्तियों का सुनियोजित विकास किया जायेगा। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने गुरूवार को विकास यात्रा लेकर शहर के वार्ड-61 के अंतर्गत सांई नगर व बालाजीपुरम, बुद्धनगर खुरैरी व सिद्धपुरा खुरैरी, वार्ड-62 में शंकरपुरी एवं वार्ड-63 के अंतर्गत रायरू व बरौआ नूराबाद में पहुँचे। इस दौरान उन्होंने खासतौर पर शहर के नए वार्डों की पुरानी बस्तियों में बिजली समस्या के स्थायी समाधान के लिए विद्युतीकरण कार्यों की आधारशिला रखीं। उन्होंने वार्ड-61 में स्थित खुरैरी एवं समीपवर्ती अन्य बस्तियों की बिजली समस्या के स्थानीय समाधान के लिये 111 लाख रूपए से अधिक लागत से स्थापित होने जा रहे 5 एबीए के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर का भूमिपूजन किया। उन्होंने इसी वार्ड के अंतर्गत साईं नगर में विशेष निधि से 46 लाख 77 हजार रूपए व बालाजीपुरम में 35 लाख 84 हजार रूपए और वार्ड-62 के अंतर्गत शंकरपुरी में विशेष निधि से 16 लाख 71 हजार रूपए लागत के विद्युतीकरण कार्यों का भी भूमिपूजन किया। मंत्री कुशवाह ने इसके अलावा फक्कड बाबा से बडागाँव 56 लाख 31 हजार रूपए लागत से, हनुमान मंदिर से निरावली तिराहा तक 70 लाख रूपए लागत से एवं सती माता मंदिर बरौआ से हाईवे तक लगभग 95 लाख रूपए की लागत से बनने वाली डाम्बरीकृत सडकों की आधारशिला रखी।

ग्वालियर के विकास का पहिया निरंतर चलता रहेगा: ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर 7 ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर के नेतृत्व में ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा गुरूवार को वार्ड-10 हनुमान मंदिर किला गेट से हनुमान जी महाराज के दर्शन कर प्रारंभ की गई। इसके पश्चात यात्रा सोडा कुआं वाली गली एवं लखेरा गली में पहुंची। विकास यात्रा के दौरान वार्ड-10 में लगभग एक करोड़ 13 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। जिसमें 41 लाख 67 हजार के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 71 लाख 47 हजार के विकास कार्यों का लोकापर्ण शामिल है। मंत्री तोमर ने इस अवसर पर कहा कि ग्वालियर के विकास का पहिया निरंतर चलता रहेगा। विकास यात्रा जब हलवाटखाने पहुंची तो वहां एक मोची भोला माहोर ने बताया कि उन्हें राशन एवं पेंशन नहीं मिल रही है, जिसको लेकर मंत्री तोमर ने तत्काल अधिकारियों को बुलाकर राशन और पेंशन की स्वीकृति दिलवाई। इसी तरह विकास यात्रा पुराना गंज होते हुए जब सराफा बाजार पहुंची जहां एक वृद्धा श्रीमती पुनिया बाई ने कहा कि आर्थिक तंगी की वजह से मेरी आंखों का ऑपरेशन अभी तक नहीं हो पाया है। मंत्री तोमर ने वृद्ध महिला को अपने वाहन से सिविल अस्पताल में भेजा और सांध्यकाल तक वृद्ध महिला की आंख का सफल ऑपरेशन हो गया। विकास यात्रा के दौरान ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि ग्वालियर में विकास का पहिया निरंतर चलता रहेगा। इस यात्रा में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर बदल रहा है, आप सभी इस बदलते ग्वालियर के साक्षी हैं और हमें अपना शहर ग्वालियर को साफ व स्वच्छ रखना है। सभी अपना अपना सहयोग करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आगामी 5 मार्च से लाडली बहना योजना प्रारंभ की जा रही है। जिसमें हमारी सभी बहनों को एक हजार रुपए महीने प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही सभी बुजुर्ग माताओं एवं नागरिकों को जिन्हें अभी 600 रुपए पेंशन मिलती है, उन्हें भी 1000 रुपए प्रतिमाह पेंशन मिलेगी7 विकास यात्रा के दौरान यात्रा प्रभारी मनमोहन पाठक, रवि अग्रवाल, ओमी अग्रवाल, केशव मांझी, त्रिलोक शर्मा, राजेश जैन, हरिओम राय, नवनीत शर्मा सहित ब?ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक गण उपस्थित रहे।

15 ग्वालियर विधानसभा में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चला

ग्वालियर । 15 ग्वालियर विधानसभा में प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश खान, मुनेन्द्र भदौरिया, नवीन भदकारिया के नेतृत्व में हाथ से हाथ जो?ो अभियान चलाया गया।प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने ग्वालियर विधानसभा के वार्ड क्रमांक 01 के रामाजी पुरा सामुदायिक भवन से हाथ से हाथ जो?ो अभियान के तहत जनसंपर्क कर जनता के बीच उनकी समस्याओं को जाना एवं कांग्रेस की रीति नीति को लेकर विस्तार से चर्चा कर आगामी चुनाव में कांग्रेस के हाथ मजबूत करने की बात की। जनसंपर्क के दौरान सुनील शर्मा ने जनता की समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को शीघ्र निराकरण कराने का आश्वासन दिया। अभियान में मुख्य रूप से महेश धनेरिया, मुन्नालाल खरे, जमील खान, अशोक तरेटिया, राजू भदौरिया, अविनाश दुबे, आमिर हुसैन, राजेन्द्र बाथम, चांद भाई, संजय माहौर, सलमान खान, रघुवीर पालिया, अब्दुल रज्जाक, पवन कोरखिया, संतोष उस्मानी, विजय दिवाकर, बंटी, नरेंद्र शर्मा, राजकुमार शर्मा, अरमान कुरेशी, अजीत गोस्वामी, धर्मेश देवरिया, सोहेल खान, रामसहाय तोमर, टिंकल चैधरी, शशिकांत शर्मा आदि मौजूद थे।

चंबल से ग्वालियर को पर्याप्त पानी मिलेः रविन्द्र भदौरिया

ग्वालियर। शहर की पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिये चंबल नदी से पानी लाने की योजना को प्रदेश और केन्द्र सरकार में बैठे जिम्मेदार भाजपा नेताओं और प्रशासनिक अफसरों के ढुलमुल रवैया के कारण यह योजना मूर्तरूप लेने से पहले ही दम तोडती नजर आ रही है। यह आरोप कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र सिंह भदौरिया ने लगाया है। उन्होंने कहा कि पेयजल स्थाई समाधान एवं ग्वालियर के भेदभाव करने वालों के खिलाफ शीघ्र आंदोलन करेंगे।कांग्रेस उपाध्यक्ष भदौरिया ने कहा कि पिछले 18 वर्षों से कांग्रेस द्वारा चंबल को ग्वालियर से जोडने की मांग की जा रही है। तभी से भाजपा सरकार में बैठे नेताओं द्वारा कभी ककैटो, पेहसारी, रमौआ डैम, कोतवाल डैम से पानी लाने के नाम पर इस योजना को लटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 वर्षों के संघर्ष के बाद जब योजना में पैसा स्वीकृत हुआ तो नेताओं और अधिकारियों ने बडी चालाकी से मुरैना को भी इसमे जोड दिया जिससे चंबल नदी से मिलने वाले 150 एमएलडी पानी में से ग्वालियर को केवल 90 एमएलडी पानी मिल सकेगा और यह सब पेयजल व्यवस्था से जुडे अधिकारियों की लापरवाही और निकम्मेपन के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि ग्वालियर को तो 250 एमएलडी पानी प्रतिदिन की आवश्यकता है तो फिर 90 एमएलडी पानी लाने से क्या होगा और जब चंबल नदी से ग्वालियर पानी आ रहा है और दूसरे बांधों से पानी लेने की क्या जरूरत है। भदौरिया ने चेतावनी देते हुये कहा कि जनता के बीच जाकर ग्वालियर के साथ भेदभाव करने वालों के चेहरे उजागर करेंगे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478